

प्राविकार ते प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं∘ 50]

मई विल्ली, शनिबार, विसम्बर 11, 1971/भग्रहायण 20, 1893

No. 50] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 11, 1971/AGRAHAYANA 20, 1893

इस भाग में भिन्न पुष्ठ तंत्रया वी जाती है जिससे कि वह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II--- सावड 3--- उपस्ववड (i)

PART II-Section 3-Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को ह्योड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य-क्षेत्रों के प्रशासनों की छोड़ कर) केन्द्रीय प्राविकारियों द्वारा खारी किये नये विवि के झन्तर्यत बनाये और जारी किये गये सावारण निवम (जिनमें तावारण प्रकार के छावेश, उप-नियम छावि सम्मितित हैं)।

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories).

DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS

New Delhi, the 30th October 1971

G.S.R. 1850.—In exercise of the power conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and of all other powers enabling him in this behalf, the President hereby makes the following rules further to amend the Department of Parliamentary Affairs (Recruitment and Conditions of Service) Rules, 1963, namely:—

- 1 (1) These rules shall be called the Department of Parliamentary Affairs (Recruitment and Conditions of Service) sixth Amendment Rules, 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Department of Parliamentary Affairs (Recruitment and Conditions of Service) Rules, 1963, for Schedules I and II, the following Schedules shall be substituted, namely:—

Schedule I
Authorised permanent Strength of the various Grades.

S. No.	Category of post	No. of posts.
1.	Secretary	.1
2.	Deputy Secretary	1
3,	Under Secretary	3
4.	Private Secretary to Minister	1
5.	Assistant Private Secretary to Minister	1
6.	Section Officer	6
7.	First Personal Assistant to Minister (Selection Grade)	1
8.	Research Assistant	1
9.	Assistant	14
10.	Stenographer Grade II	4 (one post is personal)
11.	Hindi Assistant	1
12.	Upper Division Clerk	4
13.	Stenographer Grade III	1
14.	Lower Division Clerk	16
15.	Hindi Typist	1
16.	Staff Car Driver	2
17. 18.	Gestetner Operator Deftry	1 3
19.	Jamadar B	1.4
20.	Peon	14
21.	Frash	2
22.	Sweeper	

Schedule II

Authorised Temporary Strength of various Grades.

5. No.	Category of post	No. of posts.
1.	Officer on Special Duty	t
2.	Deputy Secretary	J
3.	Private Secretary to Minister of State	1
4.	Addl. Private Secretary to Minister	1
5.	Section Officer	1
6.	Private Secretary to Dy. Minister (Selection Grade)	2
7.	First Personal Assistant to Minister of State (Selection Grade)	1
3.	Stenographer Grade I	2
9.	Research Assistant	2
10.	Research Assistant (Work Study)	1
11.	S.A.S. Accountant	1
12.	Assistant	б
13.	Personal Assistant to Dy. Minister	2
14.	Second Personal Assistant to Minister of State	1

S. No.	Category of post	No. of posts.	
15.	Hindi Stenographer to Ministers	2	
16.	Language P.A. to Dy. Ministers	2	
17.	Hindi Translator (Grade I)	1	
18.	Hindi Translator (Grade II)	1	
19.	Upper Division Clerk	6	
20.	Stenographer Grade III	1	
21.	Lower Division Clerk	8	
22.	Staff Car Driver	3	
23.	Scooter Driver	1	
24.	Gestetner Operator	*1	
25.	Addressographer	1	
26.	Daftry	3	
27.	Jamadar	4	
28.	Peon	@ 10	
29	Chowkidar	_ 1	

^{*}From one week before till one week after the session is over .@ including one from one week before till one week after the session is over.

¡No. F. 2(3)/69-Admn.]
S. K. CHOWDHURIE, Under Secy.

संसदीय कार्य विभाग

नई दिल्ली, 30 श्रक्तूबर, 1971

सा० का० नि० 1850.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का, और इस निमित्त उन्हें समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का, प्रयोग करते हुए संसदींय कार्य विभाग (भर्ती और सेवा की शर्ते) नियम, 1963 में और आगे संशोधन करने के लिए, एतद्दारा निम्नलिखित नियम बनातें हैं, प्रयात —

- (1) इन नियमों का नाम संसदीय कार्य विभाग भर्ती श्रौर सेवा की शर्ते 6 व संशोधन नियम 1971 होगा।
 - (2) ये शासकीय राजपत्न में प्रकाशन की तारीख को प्रयृत्त होंगे।
- 2. संसदीय कार्य विभाग (भर्ती ग्रीर सेवा की शर्ते) नियम, 1963 में ग्रनुसूची I ग्रीर II के स्थान पर निम्निखित ग्रनुस्चियां प्रिंतस्थापित की जाएंगी, ग्रर्थात् —

धनुसूची I विभिन्न श्रेणियों की प्राधिकृत स्थायी पद संख्या

1 सचिव 1	कम संख्या	पद का ऽ		पदों	की	संख्या
2 उप साचव 1	1 2	सचिव उप सचिव			1	

क्रम संख्या	पद का प्रवर्ग	पदों	की संख्या
3	ध्रवर सचिव .		3
4	मंत्री का निजी सचिव		1
5	मंद्री का सहायक निजी सन्	त्रव .	1
6	भ्रनुभाग भ्रधिकारी		6
7	मंत्री का प्रथम वैयक्तिक सहायक	(चयन श्रेणी)	1
8	श्रनु संधान सहायक .		1
9	सहायक		14
10	भ्रागुलिपिक श्रेणी II		4 (एक पद वैयक्तिक है)
11	हिन्दी सहायक .		1
12	उच्च श्रेणी लिपिक		4
13	ग्राशु लिपिक श्रेणी III		1
14	निस्न श्रेणी लिपिक .		16
15	हिन्दी टंकक .		1
16	स्टाफ कार चालक .		2
17	गेस्टेटनर चालक .		1
18	दफ्तरी		3
19	जमावार .		1
20	चपरासी .		14
21	फराश		1
22	झाडूकम		2

मनुसूची II

विभिन्न श्रेणियों की प्रधिकृत ग्रस्थायी पद संख्या

कम संख् या	पद का प्रवर्ग	पदों की संख्या
1	विशेष कार्य ग्रधिकारी .	. 1
2	उप सचिव	. 1
3	राज्य मंत्रीका निजीसचिव .	. 1
4	मंत्रीका भ्रतिरिक्त निजी सम्बद	, 1
6	त्रनुभाग ग्र _ि धकारी	. 1

कम संख्य	ा पदकाप्रवर्ग			पदों	की	संख्या
6	ु उप-मंत्री का निजी सचिव (चयन ध	भेणी) .		2		
7	राज्य मंत्री का प्रथम वैयक्तिक र	सहायक		1		
8	श्राशुलिपिक श्रेणी		•	2		
9	ग्रनुसंधान सहायक			2		
10	अनुसंधान सहायक (कार्य <mark>प्रध्</mark> ययन	·) .		1		
11	ग्र० ले० से० लेखापाल .		•	1		
12	सहायक			6		
13	उप-मंत्री का वैयक्तिक सहायक			2		
14	राज्य मंत्री का द्वितीय वैयक्तिक र	पहायक		1		
15	मंत्रीका हिन्दी ग्राशुलिपिक .			2		
16	उप-मंत्री का भाषा वैयक्तिक सह	हायक .		2		
17	हिन्दी श्रनुवादक (श्रेणी ${ m I})$.			1		
18	हिन्दी भ्रमुवादक (श्रेणी ${ m II}$) .	ļ		1		
19	उच्च श्रेणी लिपिक .			6		
20	ग्राणुलिपिक श्रेणी III .			1		
21	निम्न श्रेणी लिपिक .			8		
22	स्टाफ कार चालक .	,		3		
23	स्कूटर चालक		,	1		
24	गेस्टेंटनर प्रचालक		+	- 1		
25	पतालेखी	•		1		
26	दफ्तरी	,		3		
27	जमादार			4		
28	चपरासी	+	 - +	10		
29	चौकीदार			1		

^{- |} सन के एक सप्ताह पहले से सन्न खतम होने के एक सप्ताह बाद तक।

[संख्या एफ॰ 2 (3)/69-प्रशासन]

⁺⁺ जिसमें एक पद सन्न के एक सप्ताह पहले से सन्न खतम होने के एक सप्ताह बाद तक के लिए भी शामिल है।

MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION (Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 3rd November 1971

G.S.R. 1851—The following draft of certain regulations further to amend the Coal Mines Regulations, 1957, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 57 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), is published as required by sub-section (1) of section 59 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the 15th March 1972.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT REGULATIONS

1. These regulations may be called the Coal Mines (Amendment) Regulations, 1971.

2. For regulation 198 of the Coal Mines Regulations, 1957, the following regulation shall be substituted, namely:—

"198-Payment of fees.—Any fees payable under these regulations shall be paid directly into the Treasury or a branch of the State Bank of India or by means of a Crossed Indian Postal Order and the receipt of the Treasury or Bank or Postal Order shall be sent to the Chief Inspector along with the application to which the fee relates."

[No. H. 11018/23/70-MI.] J. D. TEWARI, Under Secy.

अस और पुनर्वास संत्रालय (अस और रोजगार विभाग) नई दिल्ली 3 नवस्त्रर, 1971

सा० का० नि० 1851.—कोयला खान विनियम, 1957 में और आगे संगोधन करने के लिए कितपय विनियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिन्हें केन्द्रीय सरकार खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 57 द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त अधिनियम की धारा 59 की उपधारा (1) द्वारा यथा अपेक्षित एतद्द्वारा संभाव्यतः प्रभावित होने वाखे सभी व्यक्तियों की सूचना के लिए प्रकाशित किया जाता है और एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर 15 मार्च 1972 को या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप की बाबत जो भ्राक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख से पृक्ष प्राप्त होंगे उन पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा ।

प्रारूप विनियम

- 1. ये बिनियम कोयला खान (संशोधन) विनियम, 1971 कहे जा सकेंगे ।
- 2. कोयला खान विनियम, 1957 के विनियम 198 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, श्रर्थात्:—

"198-- फीस का संदाय-- इन विनियमों के ग्रधीन देय फीस सीधे खजाने में या स्टेट बैंक भाफ इंडिया की किसी शाखा में या कास भारतीय पोस्टल श्रार्डर के द्वारा संदत्त की जाएगी और खजाने या बैंक की रसीद या पोस्टल भार्डर उस भावेदन के साथ जिसके संबंध में फीस है, मुख्य निरीक्षक को भेजी जाएगी।"

[सं०फा० एच० 11018/23/70-एम० **घाई०**] ज०डी० तिवारी. ग्रवर सचिव।

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 8th November, 1971

- G.S.R. 1852.—In exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 5D of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board, with the approval of Central Government, hereby makes the following rules further to amend the Employees' Provident Fund (Grant of Advances to Officers and Staff other than Commissioners for Building/Purchasing of House) Rules, 1965, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Employees' Provident Fund (Grant of Advances to Officers and Staff other than Commissioners for Building/Purchasing of House) Amendment Rules, 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Employees' Provident Fund (Grant of Advances to Officers and Staff other than Commissioners for Building/Purchasing of House) Rules, 1965, in rule 8, sub-rule (1), clause (B)—
 - (a) in sub-clause (i), for the figures and words "30 per cent", the figures and words "40 per cent", shall be substituted; and
 - (b) in sub-clause (iii), for the figures and words "30 per cent" the words "20 per cent" shall be substituted.

[No. 52(1)/64-PF. I.]

DALJIT SINGH, Under Secy-

अम ग्रोर रोजगार विभाग

नई दिल्ली, 8 नवम्बर, 1971

सा० का० नि० 1852 .—कर्मचारी भविष्य निधि श्रौर कुटुम्ब पेंशन निधि श्रीधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5 (घ) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय बोर्ड, केन्द्रीय सरकार के श्रनुमोदन से एतद्द्वारा कर्मचारी भविष्य निधि (श्रिधकारियों श्रौर श्रायुक्तों से भिन्न कर्मचारी वृन्द को गृह निर्माण/क्रय के लिए श्रीग्रम की मन्जूरी) नियम, 1965 में श्रौर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, शर्यात् :—

- 1. (1) इन नियमों का नाम कर्मचारी भविष्य निधि (अधिकारियों और आयुक्तों से भिन्न कर्मचारी वृन्द को गृह निर्माण/क्रय के लिए अग्रिम की मन्जूरी) संशोधन नियम, 1971 होगा।
 - (2) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रयुत्त होंगे।
- 2. कर्मचारी भविष्य निधि (प्रधिकारियों धौर श्रायुक्तों से भिन्न कर्मचारी वृन्द को गृह निर्माण/क्रय के लिए ग्रग्निम की मन्जूरी) नियम 1965 के नियम 8 के उपनियम (1), खण्ड (ख) में—
 - (क) उपखण्ड (i) में "30 प्रतिशत" अंकों श्रीर शब्दों के स्थान पर "40 प्रतिशत" अंक श्रीर शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।
 - (ख) उपखण्ड (iii) में "30 प्रतिशत" श्रंकों श्रीर शब्दों के स्थान पर "20 प्रतिशत" श्रंक श्रीर शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे

[स॰ 52 (1)/64—पी॰ एफ—1] दलजीत सिंह, श्रवर सचिव ।

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE (Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 5th October 1971

- G.S.R. 1853.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Ministry of Law, Department of Legal Affairs (Solicitor, Bombay) Recruitment Rules, 1964 namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Ministry of Law, Department of Legal Affairs (Solicitor, Bambay) Recruitment (Amendment) Rules, 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Ministry of Law, Department of Legal Affairs (Solicitor, Bombay) Recruitment Rules, 1964,
 - (a) for rule 1 the following rule shall be substituted namely:—
 - "1. Short Title
 - These rules may be called the Ministry of Law and Justice, Department of Legal Affairs, (Solicitor, Bombay and Calcutta) Recruitment Rules, 1971."
 - (b) in the Schedule,
 - (i) for the entry under column 1, the following entry shall be substituted, namely:—"Solicitor Department of Legal Affairs, Ministry of Law and Justice, Bombay and Calcutta."
 - (ii) for the entry "two" under Col. 2, the entry "five" shall be substituted.
 (iii) for the entries under column 7, the following shall be substituted, namely:—

"Essential

(i) An Attorney of High Court of Bombay or Calcutta who has practised as such for about 12 years.

OF

- An Advocate coming within the proviso to Rule 1 of Chapter 1 of the Calcutta High Court (Original Side) Rules, 1914, who has practised as such for about 12 years.
- (ii) Adequate experience of income-tax litigation work (for one post at Bombay and one post at Calcutta).

(Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified)".

[No. A.12018/1/71-Adm.I (LA).]
N. D. SINHA, Under Secy.

विधि ग्रीर स्याय मंत्रासय

(विविकार्य विभाग)

नई दिल्बी, 5 श्रमतुबर, 1971

सा० का० नि० 1853. — राष्ट्रपति, संविधान के धनुष्ठेब 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विधि मंत्राचय, विधि कार्य विभाग (साम्निसिटर, बम्बई) भर्ती नियम, 1964 में श्रौर संगोधन करने के सिए एतव्हारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, धर्षात्ः—

- 1. (1) इन नियमों का नाम विधि मंत्रालय, विधि कार्य विभाग (सालिसिटर, बस्बई) भर्ती (संशोधन) नियम, 1971 होना ।
 - (2) ये शासकीय राजपन में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
 - 2. विधि मंत्रालय, विधि कार्य विभाग (सालिसिटर, बम्बई) भर्ती नियम, 1964 में,
 - (क) नियम 1 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, प्रथीत्:— "1---संक्षिप्त नाम

इन नियमों का नाम विधि श्रौर न्याय मंद्रालय, विधि कार्य विभाग, (सालि-सिटर, बम्बई श्रौर कलकत्ता) भर्ती नियम, 1971 होगा।"

(ख) अनुसूची में,

- (i) स्तम्भ 1 के नीचे की प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएबी, ग्रर्थात्:---''सालिसिटर, विधि कार्य विभाग, विधि ग्रौर त्याय मंद्रालय, बम्बई ग्रौर कलकसा ।"
- (ii) स्तम्भ 2 के नीचे की प्रविष्टि "क्षे" के स्थान पर, प्रविष्टि "पांच" प्रति-स्थापित की जाएकी।
- (iii) स्तम्भ 7 के नीचे की प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित की जायेंगी, प्रचीत:--

''श्रावश्यक

 बम्बई या कबकत्ता उच्च न्यायालय का भ्रटानी, जिसने उस हैसियत में लग-भग 12 वर्ष विधि व्यवसाय किया हो

कलकत्ता उच्च न्यायासय (ग्रौरिजिनम साइड) नियम, 1914 के श्रष्ट्याय 1 के नियम 1 के परन्त्क के अन्तर्वत आबे वाला अधिवक्ता, जिसने उस हैसियत में लगभग 12 वर्ष विश्वि-व्यवसाय किया हो।

(ii) ग्रायकर मुक्कमा कार्य का पर्याप्त ग्रनुभव (बम्बई में एक पर भीर कलकत्ता में एक पद के बिए) । महिताएं, मन्यका सुम्राहित मध्याधियों की दशा में म्रायोग के विवेकानुसार शिभिल की जा सकेंगी)"

> [सं० ए०12018/1/71/प्रका० 1(वि०का०)] एन० डी० सिन्हा, भ्रवर सचिव ।

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 11th November 1971

G.S.R. 1854—In exercise of the powers conferred by clause (a) of rule 8B or Order XXVII of the First Schedule to the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Law No. G.S.R. 1412 dated the 25th November, 1960, namely:

In the Schedule to the said notification in item 13 relating to Uttar Pradesh, in the second column against Sub-item (a) relating to High Court in place of the existing entries the following entries shall be substituted:—

"(i) Shri Tej Narain Sapru, Senior Central Government Standing Counsel, High Court.

(ii) Shri Gopi Krishna Sahsi, Junior Central Government Standing Counsel,

High Court, hri Vijay Kumar Barman, Junior Central Government Standing (iii) Shri Counsel, High Court."

This notification shall be deemed to have come in force with effect from 15th November, 1971.

[No. F.38(8)70-J | P. G. GOKHALE, Jt. Secy.

and Legal Adviser.

(विधि कार्य विभाग)

नर्ड दिल्ली, 11 नबम्बर, 1971

सा० का० नि० 1854---केन्द्रीय सरकार, सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 का 5) की प्रथम ग्रनसूची के श्रादेश 27 के नियम 8 ख के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग

करते हुए, भारत सरकार के विधि मंद्रालय की ग्रिधसूचना सं० सा० का० नि० 1412, तारीख 25 नवम्बर, 1960 में ग्रौर संगोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, ग्रेशात्:—

उक्त ग्रधिस्थना की भनुसूची में, उत्तर प्रदेश से संबंधित मद 13 में, उच्च न्यायालय से संबंधित उप-मद (क) के सामने द्वितीय स्तम्भ में, विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टियों प्रतिस्थापित की जार्येगी :—

- ''(i) श्री तेज नारायण सप्नु, ज्येष्ठ केन्द्रीय सरकार स्थायी काउन्सेल, उच्च न्यायालय ।
- (ii) श्री गोपी कृष्ण सहाय, कनिष्ठ केन्द्रीय सरकार स्थायी काउन्सेल, उच्च न्यायालय ।
- (iii) श्री विजय कुमार बर्मन, कनिष्ठ केन्द्रीय सरकार स्थायी काजम्सेल, उच्च न्यायालय ।"

यह प्रधिसूचना 15 नवम्बर, 1971 से प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं०फा० 38(8)/70—न्या०] प०गं०गोखले,

संयुक्त सचिव भ्रौर विधि सलाहकार,

CABINET SECRETARIAT (Department of Statistics)

New Delhi, the 3rd November 1971

- G.S.R. 1855.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Cabinet Secretariat, Department of Statistics (Staff Car Driver) Recruitment Rules, 1969, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Cabinet Secretariat, Department of Statistics (Staff Car Driver) Recruitment (Amendment) Rules, 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette
- 2. In the Schedule to the Cabinet Secretariat, Department of Statistics (Staff Car Driver) Recruitment Rules, 1969, for the existing entries in columns 10 and 11, the following entries shall respectively be substituted, namely:—
 - "By transfer or deputation, failing which by direct recruitment".
- "By transfer on the result of a test in driving designed to adjudge suitability for the post with reference to the standards of competence considered essential in drivers of Staff Cars from amongst regular Despatch Riders (Class III) and Class IV Employees of the Department of Statistics possessing the qualifications specified in column 7; or by deputation or transfer of persons holding the post of Staff Car Drivers in other Ministries or Departments.

(Period of deputation ordinarily not exceeding two years)".

[No. 2/22/69-Estt.I.]

J. P. VAISH, Under Secy.

मंत्रिमंडल सचिवालय (सांख्यिकी विभाग)

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 1971

सा० का० नि० 1855.—संविधान के अनुष्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति, मंत्रिमंडल सचिवालय सांद्वियकी विभाग (स्टाफ कार ड्राइवर) भर्ती नियमावली, 1969 को और आगे संशोधित करने के लिए निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं, नामतः—

 (1) ये नियम मंत्रिमंडल सचिवालय, सांख्यिकी विभाग (स्टाफ कार ड्राइवर) भर्ती (संशोधन) नियमावली, 1971 कहलाए जा सर्केंगे।

- (2) ये सरकारी राजपन्न में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।
- 2. मंक्षिमंडल सिववालय, सांख्यिकी विभाग (स्टाफ कार ड्राइवर) भर्ती नियमावली 1969 की श्रनुसूची में स्तम्भ 10 श्रीर 11 में वर्तमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियों रखी आयगीं, नामतः —

''बदली या प्रतिनियुक्ति द्वारा, जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा ''

"स्तम्भ 7 में विनिर्दिष्ट श्रहुँताएं रखने वाले सांख्यिकी विभाग के स्थायी सवार हरकारों (तृतीय श्रेणी) श्रौर चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों में से, स्टाफ कारों के ब्राइवरों के लिए श्रावश्यक समझी गई सक्षमता के मानकों को ध्यान में रखते हुए उनत पद के लिए सयुपयुक्तता जांचने के लिए निर्धारित श्राहविंग-परीक्षण के परिणाम के श्राधार पर बदली द्वारा, श्रथवा श्र-य मंत्रालयों श्रौर विभागों में स्टाफ कार श्राहवर के पद पर कार्य कर रहे व्यक्तियों की प्रतिनियुक्ति श्रथवा बदली द्वारा। (प्रतिनियुक्ति की श्रवधि श्रामतौर पर दो वर्ष से श्रधिक न होगी)।"

[संख्या 2/22/69-स्थापना] जै० पी० वैश, ग्रवर सचिव, भारत सरकार।

(Department of Personnel)

New Delhi, the 8th November 1971

G.S.R. 1856.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the constitution and all other powers enabling him in this behalf, the President hereby makes the following rules to amend the "Department of Personnel (Class III and Class IV) Recruitment Rules, 1971", namely:—

- (1) These rules may be called the "Department of Personnel (Class III and Class IV) (first Amendment) Recruitment Rules, 1971".
 - (2) They shall be deemed to have come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Department of Personnel (Class III and Class IV) Recruitment Rules, 1971:—
 - (a) after rule No. 6, the following rules No. 7 shall be inserted and the existing rule No. 7 shall be re-numbered as rule No. 8, namely:—
 - "7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard."

[No. A-12018/2/71-Ad. II.] A. S. GUPTA, Under Secy.

(कार्मिक विभाग) नई दिल्ली, 8 नवम्बर, 1971

सा० का० नि० 1856.—संविधान के प्रनुष्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदल शक्तियों का तथा इस निमित्त से उन्हें सशक्त बनाने वाली प्रन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति, "कार्मिक विभाग (तृतीय श्रेणी तथा चतुर्थं श्रेणी) भर्ती नियम, 1971 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं; प्रथात् :—

- 1. (1) ये नियम "कार्मिक विभाग (तृतीय श्रेणी तथा चतुर्थं श्रेणी) (प्रथम संशोधन) भर्ती नियम, 1971 कहे जा सकेंगे।
 - (2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू समझे जायेंगे ।

- 2. कार्मिक विभाग (तृतीय श्रेणी तथा चतुर्य श्रेणी) भर्ती नियम, 1971 में:---
 - (क) नियम संख्या 6 के बाद निम्नलिखित नियम संख्या 7 जोड़ दी जायगी तथा वर्त मान नियम संख्या 7 के स्थान पर नियम संख्या 8 हो जायगी; धर्थात :---
 - "7. अपवाद: इन नियमों की किसी बात का, इस सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए आदेखों के अनुसार अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों और अन्य विक्षिष्ट वर्गों के व्यक्तियों के लिए अपेक्षित आरक्षणों और अन्य रियायतों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० ए० 12018/2171-प्रशासन-II]

ए० एस० गुप्ता, भ्रवर सचिव, भारत सरकार ।

(Department of Personnel)

New Delhi, the 9th November 1971

- G.S.R. 1857.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with sub-rule (1) of rule 17 of the All India Services (Leave) Rules, 1955, the Central Government in consultation with the State Governments concerned, hereby makes the following regulations further to amend the All India Services (Study Leave) Regulations, 1960, namely:—
- 1. (1) These regulations may be called the All India Services (Study Leave) Amendment Regulations, 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the All India Services (Study Leave) Regulations, 1960, for the existing sub-regulation (2) of regulation 9, the following sub-regulation shall be substituted. namely:—
 - "(2) If a member of the Service resigns or retires from Service without returning to duty after a period of study leave or within a period of three years after such return to duty, he shall be required to refund
 - i(i) double the amount of leave salary, study allowance, cost of fees, travelling and other expenses, if any, drawn by him for the period of study leave, and
 - (ii) the actual amount, if any, of the cost incurred in connection with the course of study by other agencies, such as the foreign Governments Foundations, or Trusts,

together with interest thereon, at Government rates for the time being in force on Government loans from the date of demand before his resignation is accepted or permission to retire is granted:

Provided that the amount required to be refunded under this regulation shall, in the case of a member of the service, who, on return to duty from study leave, is permitted to resign from the service and to take up on his own initiative employment under any statutory or autonomous body or institution under the control of the Government be reduced to an amount equal to the expenditure incurred by the Government and the sald other agencies in respect of the leave salary, study

allowance, cost of fees, travelling and other expenses sanctioned to him during the period of study leave together with interest thereon:

Provided further that nothing in this regulation shall apply-

- (a) to a member of the service, who on return to duty from study leave, is permitted to retire from service on medical grounds, and
- (b) to a member of the service, who, after return to duty from study leave, is deputed to serve in any statutory or autonomous body or institution under the control of the Government and is subsequently permitted to resign from service under the Government with a view to his permanent absorption in the said statutory or autonomous body or institution in the public interest".

[No. 14/13/68-AIS(III).] G BALAKRISHNAN, Dy. Secy.

(कार्मिक विभाग)

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 1971

सा० का० कि० 1857.—भारतीय प्रशासन सेवा (छुट्टी) नियम, 1955 के नियम 17 के उप नियम (1) के साथ पठित मिखल भारतीय सेवा मिधिनियम 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, सम्बन्धित राज्य सरकारों के परामर्श से मिखल भारतीय सेवा (मध्ययनार्थ छुट्टी) विनियम, 1960 में आगे संशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, मर्थात् ——

- (1) ये विनियम मखिल भारतीय सेवा (मध्ययनार्थ छुट्टी) संशोधन विनियम, 1971 कहलायेंगे ।
 - (2) ये विनियम सरकारी राजपक्ष में प्रकाशित होने की तारीख से लागृ होंगे।
- 2. श्रिखल भारतीय सेवा (मध्ययनार्थ छ्ट्टी) विनियम, 1960 में वर्तमान विनियम 9 उप-विनियम (2) में निम्नलिखत उपविनियम प्रतिस्थापित किया जायेगा, मर्थात् :---
 - "(2) यदि सेवा का कोई सदस्य मध्ययन खुट्टी की भवधि के बाद ड्यूटी पर लौटे बिना त्यागपत्र देदेता है या कार्य पर लौटने के तीन साल के मन्दर सेवा निवृत्त हो जाता है तो उसे निम्न प्रकार भुगतान वापिस करना होगा।
 - (१) श्रष्टययनार्थं खुट्टी की श्रवधि में उसके द्वारा ली नई खट्टी के वेतन भीर यदि भध्ययन का भत्ता, फीस की रकम, यात्रा तथा भन्य कोई खर्चा लिया हो तो उन सभी की दूगनी राशि का भुगतान करना होगा; भौर
 - (II) यदि मध्ययन पाठ्यकम के सम्बन्ध में किसी मन्य मिभकरण मर्वात् विदेशी सरकारों, फाउच्छेशनों मज्जा ट्रस्टों मादि ने कोई व्यय किया हो तो उस व्यय की वास्तविक राशि व्यय की वई हो;

साथ ही इस पर भ्याज भी देना हो वा को कि उसके त्याग पत्न की स्वीक्वित से पूर्व भयवा सेवा-निवृत्ति की इजाजत देने के पूर्व की मांग की तारीख से सरकारी ऋण पर उस समय लागू क्याज की दरों के हिसाब से लगाया जायेगा।

हां, इस सेवा के किसी भी सदस्य के बारे में जिसे उसकी इच्छा के मनुसार सरकार के नियंत्रण के मधीन किसी भी सांविधिक मथवा स्वायतणासी निकाय मबदा संस्थान में तौकरी के उद्देश्य से त्यागपल देने की इजाजत दी जाय, इस नियम के अन्तर्गत वापिस अदायगी की राशि घटा कर उस राशि के बराबर की जा सकती है जो कि उसके अध्ययनार्थ छुट्टी के बेतन अध्ययन-भत्ता, फीस की रकम मंजूर किये गये खर्चे, याली खर्चे तथा अन्य खर्चे आदि पर सरकार अथवा उक्त दूसरे अभि-करणों द्वारा उस अधिकारी पर कर्चे की गई है—साथ ही इस राशि पर ख्याज भी देना होगा।

इसके अलावा यह भी उपबन्ध किया जाता है कि इस विनियम की कोई बात निम्नलिखित पर खागू नहीं होगी —

- (क) सेवा के उस सदस्य पर जिसे ब्रध्ययनार्थ छुट्टी से लौटने पर स्वास्थ्य के श्राधार पर सेवा निवृत्त होने की इजाजत वी जाय, श्रौर
- (ख) सेवा के उस सदस्य पर जिसे प्रध्ययनार्थे छुट्टी से लौटने पर सरकार के नियंत्रणा-धीन किसी सांविधिक तथा स्वायत्तशासी निकाय प्रथवा संस्थान में सेवार्थ भेजा गया है ग्रौर जिसे बाद में, उक्त सांविधिक प्रथवा स्वायत्त शासी निकाय प्रथवा संस्थान में सार्वेजनिक हिंत में स्थायी रूप से संविक्षीन करने के निमित्त सरकारी सेवा से त्याग पत्न देने की ग्रनुमति दी जाय।

[सं० 14/13/68-ग्र० भा० सं०(III)]

जी० बालकृष्णन, उप सचिव, भारत सरकार ।

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 29th October 1971

- G.S.R. 1858.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the All India Radio (Class III posts) Recruitment Rules, 1964, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting No. GSR 1776, dated the 30th November, 1964 namely:—
- 1. (i) These rules may be called the All India Radio (Class III posts) Recruitment (Amendment) Rules 1971.
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Schedule to the All India Radio (Class III posts) Recruitment Rules 1964:—
- (1) against Serial No. 35 relating to the post of Engineering Assistant—
 (i) in column 5, for the figures "95 per cent" the figures "80 per cent" shall be substituted;
- (ii) in column 6, for the figures "5 per cent" the figures "10 per cent" shall be substituted;
 - (iii) in column 7, the figures "10 per cent" will be inserted,
- (iv) in column 13, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:—
 - "From amongst Senior Mechanics, Radio Technicians and Technical Supervisors in All India Radio with Five years service in the grade or in a higher grade in the following proportion:—
 - (a) 10 per cent by seniority-cum-fitness and
 - (b) 10 per cent through Department Competitive Examination."

- (2) against Serial No. 10 relating to the post of 'Senior Mechanic', in column 7, the following Note shall be inserted at the end, namely:—
 - "Note: -- The incumbents of the post of 'Boiler Mechanic' and 'Instrument Repairer', as on the date of publications of this notification in the Official Gazette, shall stand absorbed in the grade of Senior Mechanics";
- (3) Serial No. 9 relating to the post of 'Boiler Mechanic' and Serial No. 33 relating to the post of "Instrument Repairer", and the entries relating thereto shall be omitted.

[No. 12018/8/70-SIV.]

R. K. GUPTA, Under Secy.

सूजना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 29 ग्रक्तूबर, 1971

जी एस० आर० 1858.—संविधान के श्रनुक्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रयत्त श्रिधकारों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, भारत सरकार के सूचना श्रौर प्रसारण मन्द्रालय की श्रिध क्षा जी० एस० श्रार० 1776, तारीख 30 नवम्बर, 1964 में प्रकाशित श्राकाश-वाणी (ततीय श्रेणी पद) भर्ती नियमावली, 1964 में श्रितिरिक्त संशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्निखित नियम बनाते हैं, श्रर्थात:—

- 1- (1) इन नियमों को ग्राकाणवाणी (तृतीय श्रेणी पद) भर्ती (संशोधन) नियमावली, 1971 कहा जा सकेगा।
 - (2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख को प्रवत्त होंगे।
- 2. आकाशवाणी (तृतीय श्रेणी पद) भर्ती नियमावली, 1964 की अनुसुची में,---
- (1) इंजीनियरी सहायक के पद से सम्बन्धित अप संख्या 35 के सामने :---
 - (1) 5 में, "95 प्रतिशत" श्रांकड़ों के स्थान पर "80 प्रतिशत" श्रांकड़े प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;
 - (2) कालम 6 में, "5 प्रतिशत" श्रांकड़ों के स्थान पर "10 प्रतिशत" स्रांकड़े प्रति-स्थापित किए जाएंगे ;
 - (3) कालम 7 में, "10 प्रतिशत" झांकड़े ग्रन्तः स्थापित किए जाएंगे ;
 - (4) कालम 13 में, वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :---
 - ''श्राकाशवाणी के उन सीनियर मकेनिकों, रेडियो तकनीशियनों तथा तकनीकी ंपर्यवेक्षकों जिनकी इस ग्रेड में श्रथवा ऊंचे ग्रेड में पांच वर्ष की सेवा हो में से निम्नलिखित श्रनुपात में :---
 - (क) 10 प्रतिशत वरिष्ठता व योग्यता द्वारा;
 - (ख) 10 प्रतिशत विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा ";

- (2) सीनियर मेन्नेनिक' कै पव से सम्बन्धित ऋम संख्या 10 के सामने, कालम 7 में, श्रन्त में निम्निलिखित टिप्पणी अन्तः स्थापित की जाएनी, अर्थात् :---
 - "टिप्पर्गी:—सरकारी राजपक्ष में इस भिधित्चना के प्रकाशन की तारीख के दिन 'बाइलर मकैंकिक' तथा 'इन्स्ट्रेमेन्ट रिपेग्ररर' के पदों के पदधारी सीनियर मकैंनिक के ग्रेड में विलीन हो आएंगे;
- (3) "बाइसर मर्गेनिक' के पद से सम्बन्धित कम संख्या 9 तथा 'इन्स्ट्रमेंट रिपेश्वरर' के पद से सम्बन्धित कम संख्या 33 तथा इनसे सम्बन्धित प्रविश्वरयां निकाल दी जाएंगी।

[संख्या 12018/8/70-एस॰ 4]

राम कुमार गुप्त, श्रवर सचिव।

New Delhi, the 3rd November 1971

G.S.R. 1859.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Research Officer in the Ministry of Information and Broadcasting, namely:—

Short title and Commencement.—(i) These rules may called the Ministry of Information and Broadcasting (Research Officer) Recruitment Rules, 1971.

- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Number of posts, classification and scale of pay:—The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.
- 3. Method of recruitment, age limit, qualification, etc:—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.
 - 4. Disqualification:—No person,—
- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post;

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax:—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect of any class or category of persons.

<u> </u>			· 			THE SCHE
Name of Post	No. of posts	Classifica- tion	Scale of Pay	Whether selection post or non- selection post	Age for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
	2	3	4	5	6	7
Research Officer.	I	General Central Service Class II Gazetted Ministerial	Rs. 400—25 500—30— 590—EB— 30—800— EB—30— 830—35—	Appli- cable	Not Appli- cable.	Not Applicable

Viether age and educational qualifications prescribed for direct recruits wapply in the cas of promoteca	probation if any	Method of rectt whether by direct recruitment or by deputa- tion/transfer at percentage of t vacancies to be filled by various methods	deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made	exists,	tances in which UPSC
8	9	10	11	12	13
lot Applicable	Not Applicable.	By transfer on deputation.	Transfer on deputation Section Officers of the Central Secre- tariat Service, fall- ing which Assistants of the Central Sec- retariat Service with 8 years' Service as such, having ex- perience of work relating tojob anal- ysis/evaluation and also preferably having experience in research in public/personnel administration and manpower problems.	Not Appli- cable.	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from consultation) Regulations 1958.

[No. A-12018/3/71-Admn. II]
S. N. MITAL,
Under Secretary to the Goernment of India

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 1971

जी॰ एस॰ मार॰ 1859.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त अधि-कारों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्द्वारा सूचना और प्रसारण मंत्रालय में अनुसंधान अधिकारी के पद की भर्ती पद्धिप के विनियमन हेसु निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

- संक्षिप्त शोर्षक तजा प्रारम्भ :--(1) इत नियमों को सूचना और प्रसारण मंत्रालय (श्रनुसंधान श्रिधिकारी) भर्ती नियमावली, 1971 कहा जा सकेगा।
 - (2) ये नियम सरकारी राजपत्न में प्रकाशित होने की तारीख को प्रवत्त होंगे।
- ' 2. पवों की संख्या, वर्गीकरण तथा वेतनमान :— पद की संख्या, इसका वर्गीकरण तथा इससे सम्बन्धित वेतनमान, इन नियमों से संलग्न अनुसूची के कालम 2 से 4 तक में दिए अनुसार होंगे।
- 3. भर्ती की पद्धित, श्रायु सीमा, शहंताएं श्रावि:—-उक्त पद की भर्ती पद्धित, श्रायु सीमा, श्रहंताएं तथा इनसे सम्बन्धित अन्य मामले उक्त श्रनुसूची के कालम 5 से 13 तक में दिए श्रनुसार होंगे ।
 - 4. **धनहंताएं** ; ---कोई पुरुष/महिला
 - (क) जिसने ऐसी महिला / ऐसे पुरुष से विवाह किया हो या करने का करार किया हो, जिसका पति / जिसकी पत्नी जीवित हो, श्रथवा
 - (ख) जिसने जीवित पत्नी / पित के होते हुए किसी अन्य व्यक्ति से विवाह किया हो या करने का करार किया हो,

वह उक्त पद पर नियुक्ति का पान्न नहीं होगा / होगी।

परन्तु यवि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह उस व्यक्ति पर स्रौर जिससे विवाह किया गया है, उस पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के श्रधीन भ्रानुज्ञेय है तथा एसा किए जाने के भ्रन्य कारण हैं, तो वह एसे व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है । 5. खूट देने का अधिकार: — जहां केन्द्रीय सरकार का यह मत हो कि छूट देना आवश्यक या उचित है, वहां वह लिखित कारणों के आधार पर तथा संत्र लोक सेवा आयोग के परामणें से आदेश द्वारा किसी श्रेणी या वर्ग से सम्बन्धित व्यक्तियों को इन नियमों के किसी उपबन्ध से खूट से सकती है .1

श्चनु

पदनाम पदों की वर्गीकरण वेतनमान प्रवरण सीधी सीधी भर्ती किए जाने संख्या पद या भर्ती के वालों के लिए शैक्षिक ग्रप्रवरण लिए भायु तथा श्रन्य ग्रर्हताएं। पद सीमा

2 3 1 4 5 6 7 **भ**नुसंधान 400-25- लागू सही लागू नहीं लागू नहीं होता। 1 सामान्य ग्रधिकारी केन्द्रीय 500-30- होता होता सेवा 590-द॰रो. श्रणी-दो 30-800-राजपत्नित द०रो०-लिपिक 30-830-वर्गीय 35-900 रुपये

सुची

क्या सीधी भर्ती परिजीक्षा भर्ती पद्धित — पदोन्नित /प्रतिनियुष्टि /
किए जाने वालों की ग्रविध सीधी भत स्थानांतरण के द्वारा
के लिए निर्धारित यदि कोई द्वारा या पदो- भर्ती किए जाने के
ग्रायु तथा शेक्षिक हो । भित द्वारा या लिए वे ग्रेड जिनसे पदो
ग्रह्ताएं पदोन्नित प्रतिनियुक्ति /
से रखे जाने वाले स्थानान्तरण स्थानान्तरण किय
व्यष्तियों के द्वारा तथा जाना हैं
मामले में लागू विभिन्न पद्धितयों
होगी द्वारा भरी

यदि विभागीय किन परि-पदोन्नति स्थितियों स्थानांतरण के द्वारा भर्ती किए जाने के समिति विद्य- भर्ती करने में लिए वे ग्रेड जिनसे पदो- मान हैं तो संघ लोक सेवा न्नति/प्रतिनियुक्ति / उसका गठन म्रायोग से परा-मर्श किया स्थानान्तरण किया क्या हैं। जाना हैं जाना हैं।

8

9

10

जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

11

12

13

लागू नहीं होता लागू नहीं प्रतिनियुक्ति, प्रतिनियुक्ति पर स्थाना-होता पर स्थाना- न्तरणः केद्रीय सर्चि-न्तरण द्वारा वालय सेवा के प्रनक्षा

न्तरणः केद्रीय सचि-वालय सेवा के धनुभाग श्रिधिकारी, इसके न हो सकने पर केन्द्रीय सचिवामय सेवा वे सहायक जिनकी सहायक के रूप 8 वर्षकी सेवा हो श्रौर कार्य निक्सेषण/ मुल्योकन सम्बन्धी काम का भनुभव हो ; लोक/कार्मिक प्रशा-सन तथा मा**चव श**क्ति सम्बन्धी समस्याओं के अनुसंधान का अनु-भव रक्वने वालेको तरजी दी जाएगी (प्रतिनियुक्ति

लागू नहीं जैसा कि संघ होता लोक शिवा श्रायोग (परा-मर्ग शे छूट) विनियम, 1958 के श्रन्तर्गत घपे-क्षित है।

3	4	5	6	7

8	' 9	10	11	12	13
			भ्रवधि सामान्यतया	<u>-</u> <u>-</u>	
			3 वर्ष से श्रधिक नहीं		
			होगी)		
	<u>.</u>				
			frient made		*****

[संख्या ए० 12018/3/71---प्रशासन-2]

एस० एन० मित्तल, ग्रवर स**चि**व, भारत सरकार ।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 4th November 1971

- G.S.R. 1866.—In exercise of the powers conferred under entry 3(c) of Schedule I annexed to the Ministry of Home Affairs Notification No. 15/13/59(V)-P.IV, dated the 13th July, 1962 (published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 28th July, 1962), the Central Government is pleased to specify Juvraj Rajendra Chandra Deb, son of the Ruler of Talcher (Orissa) for the purpose of that entry and directs that the exemption shall be valid in respect of the following arms and ammunition, namely—
- (1) One 12 bore gun and one rifle with maximum one thousand cartridges per calender year; and
- (2) One Revolver or one Pistol with maximum one hundred cartridges per scalendar year.

[No. F.16/7/71-GPA.II.] AMAR SINGH, Dy. Secy.

गृह मंत्रालय नई विस्ती, 4 नवस्वर 1971

औं •एस • बार • 1860. — ताबात्व परिनियत नियम 991 की सनुतू चित 1 की प्रविष्टि 3 (ग)
्गृह मंत्रालय की बिबित्चना संख्या 15/13/59-(V)-पी-।V, विमोक 13 जुलाई, 1962 द्वारा प्रदत्त

अधिकारों का प्रयोग कर ते हुये केन्द्रिय सरकार तलवर (उड़ीसा) के शासक के पुत्र युवराज राजेन्द्र

चन्द्र देव को उक्त प्रविष्टि के लिये बिबिस्चित करती हुई निदेश देती है कि यह छूट निम्नलिखित

शस्त्रीं तथा सम्यन्धित कारतुषों के लिये लागू होगी:—

- (1) एक 12 बोर की बस्तूक और एक राइफल तथा अधिकतम एक हजार कारतूष प्रतिवर्ष।
 - (2) एक रिकास्वार या एक पिस्सील तथा ऋधिकतम एक सो कारतूच प्रति वर्ष । [[सं०एफ-16/7/71-जी० पी० ए०-2]

ग्रमर सिंह, उप सिंघव, भारत सरकार।

New Delhi, the 9th November 1971

- G.S.B. 1861.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the existing rules on the subject the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Accounts Officer in the Intelligence Bureau, Ministry of Homa Affairs, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Intelligence Bureau (Accounts Officer) Recruitment Rules, 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- (2) Number, classification and scale of pay.—The number of posts, their classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule to these rules.
- (3) Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment to the said posts age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 11 of the said schedule.
 - (4) Disqualification.—No person,—
 - (a) Who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
 - (b) Who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to these posts.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

			Recruitment r	ules for the pos	t of Acconn	THE SCHE
Name of post	No. of posts	Classifica- tion	Scale of Pay	Whether selection post or non- selection post	Age limit for direct recruit	Educational qualifica- tions required for direct recruits

	I	2	3	4	5	6	7
Accounts	Officer	2	General Central Service Class II (Gazetted)	Rs. 590—30 —800—EB —30—830— 35—900.	Not appli- cable	Not appli- cable	Not appli- cable

DULE Intelligence Bureau, Ministry of Home Affairs						
Whether age & educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of rectt, whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by pro- motion/deputation/ transfer grades from which promotion/deputa- tion/transfer to be made	If a DPC exists what is its com- position	Circums- tances in which UP SC is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Not appli- cable cable		By transfer on deputa- tion,	Transfer on deputation: Officers of the rank of Accounts Officer or Audit Officer failing which S.A.S. Accountants with 5 years service in the grade from any of the organised Accounts Departments such as Indian Audit & Accounts Departments, Indian Defence Accounts Department, Indian Railway Accounts Deptt, etc. (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years)	Not Appli- cable	As required under the rules.	

[No, 5/SO 7/(c)(15)/Pers, I] G. S. GREWAL, Dy. Secy

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 1971

सा० का० नि० 1861 .--राष्ट्रपति, संविधान के मनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए भौर इस विषय पर विद्यमान नियमों को म्रतिष्ठित करते हुए, गृह मंत्राक्षय के कुफिया ब्यूरो में लेखा-अधिकारी के पद पर भर्ती की पद्यति को विनियमित करने वाले निम्निलिकित नियम एतद्द्वारा बनाते हैं, अर्थात:---

- 1. संक्षिण नाम ग्रीर प्रारम्भ .-(1) इन नियमों का नाम कुफिया ब्यूरो '(लेखा-प्रधकारी भर्ती नियम, 1971 होगा।
 - (2) ये शासकीय राजपत्न में प्रकाशन की तारीक को प्रवृत्त होंगे।
- 2. संख्या, वर्गीकरण भीर वेतनमान --पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण भीर उनके वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों की धनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- 3. भतीं की पद्धति, सायु-सीमा, सर्वताएं सावि .--उक्त पदों पर भर्ती की पश्चित, सायु-सीमा, महैताएं भौर उनसे सम्बन्धित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 11 तक में विनिधिष्ट हैं।
 - 4. निरहंताएं -- वह व्यक्ति,---
 - (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित हैं, विवाह किया हैं, या
 - (ख) जिसने भपने पति या भपनी पत्नी के जीविस होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है;

इन पदों पर नियुक्ति का पात नहीं होगाः

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐंसे व्यक्ति भीर विवाह के भन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के भधीन भनुजेय है भीर ऐसा करने के लिए भन्य भाषार भीजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिषित करन की शक्ति .--जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन हैं वहां, वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग य प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत शिथिल कर सकेगी।

घनु

गृह मंत्रालय के कुफिया ब्यूरो में लेखा-प्रधिकारी के

पदों की वर्गीकरण पद का संख्या नाम

वेतनमान

सीधे भर्ती सीधे भर्ती किए जाने चयन किएजाने वाले व्यक्तियों के पद ग्रयवा वाले व्यक्ति- लिए ग्रपेक्षित शैक्षिक यों के लिए भौर भन्य भ्रहताएं ग्रायु सीमा पव

1 2 3 5 6 7 4

लेखा-दो ग्रधिकारी

590-30- लागू नहीं लागू नहीं लागू नहीं होता साधारण

800-दर् होता केन्द्रीय होता

सेवा, वर्ग 2 रो०-30-(राजपत्नित)

830-35-

900 হ০

सूची

पद के लिए भर्ती नियम

जाने वाले व्यक्ति के लिए	यों की भ्रविध यदि हो	भर्त्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति	प्रोम्नति/प्रतिनियुक्ति/ स्थानान्तरणद्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोम्नति/प्रति- नियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	प्रोन्नति समिति है तो	में किन परि- स्थितियों में
8	9	10	11	12	13

लागू नही सागू प्रतिनियुक्ति पर प्रतिनियुक्ति पर रथाना लागू नहीं होता नहीं होता स्थानान्तरणद्वारा। न्तरणः होता

ागूनही नियमों के होता ग्रधीनयथा श्रपेक्षित।

लेका ग्रधिकारी या संपरीक्षा-प्रधिकारी की रेंक के ग्राधिकारी, जिसके न हो सकने पर ऐसे एस० ए० एस० लेखापास, जिन्हों-ने सगठित लेखा विभागों जैसे भारतीय संपरीक्षा ग्रीर लेखा विभाग. भारतीय रक्षा लेखा विभाग, भार-तीय रेल लेखा विभाग ग्रादि में से किसी में उस श्रेणी में पांच वर्ष सेवा की हो।

(प्रतिनियुक्ति की ग्रवधि सामान्यतः तीन वर्ष से श्रधिक न होगी)।

[स 5/एस० भ्रो० (सी०)/70(15)/पर्संनल-1]

जी० एस० ग्रीवाल,

उप सच्चित्र ।

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 1st November 1971

- G.S.R. 1862.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules relating the method of recruitment to the post of Research Officer in the Department of Company Affairs, namely:
- 1. Short title and commencement: (1) These rules may be called the Department of Company Affairs (Research Officer) Recruitment Rules, 1971.
- (2) These rules shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Application: These rules shall apply to the post specified in column 1 of the Schedule hereto annexed.
- 3. Number of post, its classification and scale of pay: The number of the said post, its classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.
- 4. Method of recruitment, Age limit, qualifications, etc. The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule;

Provided that the age limit specified in column 6 of the said Schedule for direct recruits may be relaxed in the case of the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time.

Disqualifications. No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax: Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules in respect of any class or category of persons.

				Sche Recruitment Rules for the Post of Research			
Name of Post	No. of posts	Classifi- cation	Scale of Pay	Whether selection or non- selection post	Age for direct rectt.	Educational and other qualifications required for direct rectt.	
ı	2	3	4	5	6	7	
Research Officer	2	General Central Services, Class I, Gazetted	Rs. 400—400 450—30— 600—35— 670—EB— 35—950	Selection	35 years (Relaxable for Gov- ernment servants)	Essential (i) Master's degree in Statistics or Economics/Mathem .tcs/Commerce (with Statistics) of a recognised University or equivalent.	
						(ii) About 3 years exper- ience of economic research or investiga- tion.	
						(Qualification relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates other- wise well qualified),	
						Desirable: (i) Knowledge of Company Statistics	

DULE

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees/ transferees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct rectt. or by depu- tation/ transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	recruitment by promotion/ deputation/	f a DPC exists, what is its composi- tion	Circum stances in which UPSC is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	50% by pro- motion and 50% by direct recruitment.	Promotion: (i) Investigating Officer, with 5 years service in the Grade.	- Departm- ental Pro- motion	As required under th Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regu- lations. 1958.
			(ii) Superin- tendent, with 5 years serv ice in the gra	b 	

[No. F.A. 12018/3/70-Admn. I] K. M. SHARMA, Under Secy.

कम्पनी कार्य विभाग

नई दिल्ली, 1 नवम्बर 1971

सा० का० नि० 18 62.—राष्ट्रपति, संविधान के श्रनुक्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कम्पनी कार्य विभाग में श्रनुसंधान ग्रधिकारी के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम एतद्द्वारा बनाते हैं, ग्रर्थात् :—-

- 1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का नाम कम्पनी कार्य विभाग (ग्रनुसंधान श्रिष्ठकारी) भर्ती नियम, 1971 होगा ।
 - (2) ये शासकीय राजपन्न में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।
 - 2. लागू होना : ये नियम इससे उपाबद अनुसूची के स्तंभ 1 में विनिर्दिष्ट पद को लागू होंगे।
- 3. पव-संख्या, वर्गीकरण और वतनमान : उक्त पद की संख्या, उसके वर्गीकरण श्रीर उसका वेतनमान वे होंगे जो श्रन सूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हों।
- 4. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, धर्वताएं आवि: उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, श्रायु-सीमा, धर्हताएं श्रौर उससे सम्बन्धित श्रन्य बातें ने होंगी जो उक्त श्रनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हों :

परन्तु कि उक्त अनुसूची के स्तम्भ में सीधे भर्ती किए जाने वालों के लिए विनिर्दिष्ट आयु-सीमा अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति तौर अन्य विशेष व्यक्तियों के प्रवर्गों के मामले में समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए श्रादेशों के अनुसार शिथिल की जा सकेगी।

- 5. निरहंताएं : वह व्यक्ति-
- (क) जसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है; या
- (स्र) जिसने भ्रपने पित या भ्रपनी परनी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है; उक्त पद पर नियुक्ति का पाल नहीं होगा ।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुभेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

6. शिथिल करने की शक्ति: जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना श्रावश्यक या समीचीन है वहां वह, उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा श्रायोग से परामर्श करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत श्रादेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

ग्रन् स् धं

कम्पनी कार्य तिभाग में श्रनुसधान श्रधिकारी के पद पर भर्त्ती के लिए नियम

	<u> </u>		<u> </u>	
	दों की वर्गीकरण ख्या	वेतनम	ान	चयन [्] ,पद स्रथवा श्रचयन _् पद
1	۵ 3		4	5
श्रनुसंधान ग्रधिकारी दो	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 1, [!] राजपन्नित	400-400-43 35-670-3 950 ቺo	50-30-600- इ० रो०-35-	चथन
सीघे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए प्रायु	सीघे भर्ती किए जाने व के लिए णक्षिक भौर क		सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्षि के लिए विहित श्रायु और शैक्षिक श्रह्ताएं प्रोन्नतों की दशा में लागृ होंगी या नहीं	तयों का लावधि, यदि हो _क
6		7	8	9
35 वर्ष (सरकारी सेवक के लिए बिथिलनीय)	(i) सांख्यिकी या श्रर्थे वाणिज्य (सांख्यि किसी मान्यताप्राप्त को मास्टर डिग्री	की सहित) में विश्वविद्यालय या समतुरूप अनुसंधान या उवर्षे का अनुभव भ्यर्थी के मामले ायोग के विवेका- लनीय)	लागू नहीं होता	दो वर्ष

भत्ती की पद्धति/भत्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत

प्रोक्षति/प्रतिनियुक्ति/स्थाना- यदि विभागीय ' भर्त्ती करने में किन प्रोन्नति मिति है परिस्थितियों न्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति / तो उसकी संरचना संघ लाक सेवा प्रतिनियक्ति/स्थानान्तरण भ्रायोग से परामश् किया जाएगा किया जाएगा

10

11

12

13

50 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा श्रौर 50 प्रतिशत सीधी भर्ती (i) ग्रन्वेषक भ्रधिकारी, द्वारा

प्रोचितः :

इस श्रेणो में 5 वर्षकी सेवा सहित

वर्ग 1 विभागीय संघ लोक सेवा ब्रोन्नति समिति आयोग (परामशें से छट) विनियम, 1958

> के ग्रधीन यथा ग्रपेक्षित

(ii) प्रधीक्षक, इस श्रेणी में 5 वर्ष को सेवा सहित

का० मा० शर्मा, ग्रवर सचिय ।

(Company Law Board)

New Delhi, the 20th September 1971

G.S.R. 1863.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Department of Company Affairs Notification G.S.R. 686 dated the 4th May, 1971 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957, (hereinafter referred to as "the Notification"), the Company Law Board hereby directs that in the case of M/s. Forasol (hereinafter referred to as "the Company") being a foreign Company, the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the notification shall, apply subject to the following further exceptions and modifications, namely:—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594, if in respect of the financial year ended the 31st March, 1969 and onwards and until it finally ceases to have its place of business in India, the Company submits to the appropriate Registrar of Companies in India in triplicate:-

- (i) Certificate to the effect that the Company has not done any business in India during the year ... ;
- (ii) Details of Government and other liabilities, if any, in respect of each year; and

(iii) Statements of Income and Expenditure for each year with the copies of world accounts and any other information that Department deems fit to be filed-

[No. F.14(6)-CL.VI/71.]

By Order of the Company Law Board. S. M. YOUSUF, Secy.

(क्रमार्नः विश्वि क्षेक्षं) नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1971

गा० का० नि० 1863 — भारत सरकार कम्पनी कार्य विभाग की ग्रिधसूचना सं० सा० का० नि० 686, तारीख 4 मई, 1971 के साथ पठित, कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उप-धारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त एक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) की ग्रिधसूचना सं सा० का० नि० ग्रा० 3216 तारीख 4 प्रक्तूबर 1957 की ग्रिधसूचना (जिसे इसमें इसके पप्रचात "ग्रिधसूचना" कहा गया है) में ग्रांशिक उपान्तर करते हुए कम्पनी विधि बोर्ड एतद्द्वारा वह निदेश देती है कि मैसर्स फोर-सोल (जिसे इसमें इसके पप्रचान् "कम्पनी" कहा गया है) के मामले में, जो एक विदेशी कम्पनी है, उक्त धारा 594 की उप-धारा (1) की खंड (क) को भ्रपेक्षायें जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी को ग्रपने लागू होने के सम्बन्ध में ग्रिधसूचना द्वारा उपान्तरित की गई है, निम्नलिखित ग्रन्य प्रपवादों तथा उपान्तरों के ग्रध्यदीन रहते हुए लागू होगी। ग्रर्थात् :—

यदि 31 मार्च, 1969 की वर्ष समाप्ति तथा इसके आगे जब तक यह श्रन्तिम रूप से भारत में अपने व्यापार के स्थान को समाप्त नहीं करती, की बाबत कम्पनी भारत में समुचित कम्पनी रिजस्ट्रार को, निम्नलिखित की तीन, प्रतियां प्रस्तुत करे तो उक्त धारा 594 की उप-धारा(1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त श्रनुपालन हुआ समझा जायेगा :—

- इस आशय का एक प्रमाण पत्न कि———वर्षों के मध्य, कम्पनी ने भारत में कोई व्यापार नहीं किया है।
- 2. प्रत्येक वर्ष को बाबत, सरकारी या ग्रन्य कोई हो, तो देनदारियो के व्यौरे।

विषय लेखाश्रों सिहत, प्रत्येक वर्ष श्राय व व्यय के विवरण-पन्न तथा विभाग को प्रस्तुत करने के लिए श्रन्थ कोई उपयुक्त सूचना ।

> [सं० एफ० 14(6) सी० एल० 6/71] कम्पनी विधि बोर्ड के श्रादेश से,

> > एस० एम० यूसुफ,

सचिव, कम्पनी विधि बोर्ड ।

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 1st November 1971

- G.S.R. 1864.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the National Buildings Organisation (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1968, namely:—
- (1) These rules may be called the National Buildings Organisation (Class I and Class II posts) (Amendment) Recruitment Rules, 1971.
- (2) They shal come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Schedule to the National Buildings Organisation (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1968, in column 11 against item No. 19 relating to the post of 'Accountant', the following words may be inserted at the end, namely:—

"(Period of deputation-ordinarily not exceeding three years)"

[No. 24/1/69-PS.]

S. MAHADEVAN AYYAR, UNDER SECY.

निर्माण और ब्रावास मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 नवम्बर 1971

सा० का० ति० 1864.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय इमारत संगठन (वर्ग 1 और वर्ग 2 पव) भर्ती नियम, 1968 संशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रयति :—

- 1. (1) इत तियमों का ताम राष्ट्रीय इमारत संगठन (वर्ग 1 श्रौर वर्ग 2 पद) (संशोधन) भर्ती नियम, 1971 होगा ।
 - (2) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।
- 2. राष्ट्रीय इमारत संगठन (वर्ग 1 श्रीर वर्ग 2 पद) भर्ती नियम, 1968 की श्रनुसूची में, स्क्षम्भ 11 में, लेखापाल के पद से संबंधित मद सं० 19 के सामने, श्रन्त में निम्नलिखित क्षश्च श्रन्तःस्थापित किए जाएंगे, श्रर्थात् :----

"(प्रतिनियुक्ति की ग्रवधि सामान्यत: तीन वर्ष से ग्रधिक न होगी)।"

[सं० 24/1/69-पी० एस०] एस• महादेवन श्रयगर, श्रवर सन्तिम ।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 11th December 1971

- G.S.R. 1865.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. G.S.R. 813, dated the 26th May, 1967 the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the excisable goods mentioned in Appendix I to this notification, when brought into Kandla Free Trade Zone from the factories of their manufacture situated in other parts of India for use by the industries located in the said zone for the production of goods intended solely for export, from the whole of—
 - (i) the duty of excise leviable thereon under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and
 - (ii) the additional duty of excise leviable thereon under sub-section (1) of section 3 of the first mentioned Act.

subject to the following conditions, namely:-

- (1) the consignee is authorised to establish manufacturing unit or units in the Kandla Free Trade Zone;
- (2) the consignee brings the excisable goods directly from the factory of manufacture;
- (3) the entire excisable goods so brought are used by or on behalf of the consignee in the Kandla Free Trade Zone for manufacture of goods solely meant for export and all such manufactured goods are exported; and
- (4) the procedure set out in Appendix II of this notification is followed in Kandla Free Trade Zone.
- 2. For the purposes of this notification, the Kandla Free Trade Zone shall comprise the places bearing the survey number and anclosed by the boundaries specified below—

Surety numbers

199, 200, 201, 202, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 211, 212, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 257, 266, 267, 268, 269, 7270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 7292, 293, 294, 295, 302, 303, 304, 310, 312, 313 and 315 in the Taluka of Ahar, District of Kutch, State of of Gujarat, at a distance of 9.6 kilometres from the port of Kandla, enclosed by a 3.3528 metres high fencing consisting of stone masonry in the plinth and mild steel bar mesh at the top, extending 1,042.49 metres in the North 1,529.51 metres in the West, 777.85 metres in the South and 1,847.89 metres in the East.

[No. 199/71-C.E./F. No. 71/26/71-CX.2.]

J. P. KAUSHIK, Under Secv.

S. Item No. in the Item No. First

	Appundix I
	Description
	(3)
n Waxes.	
, colours, pain :	ts, enamels, varnishes, blacks and cellulose lacquers.
orginic dyestu	affs (including pigment dvestuff) and synthetic organic ny dyeing process
Proprietary M	
Acid (includi	ng fuming acids and an hydrides thereof) all sorts.
or synthetic re	sins and plastic materials and articles thereof.
	film or sheet or regenerated cellulose
roducts.	min of other of regenerated certainse
, blockboard, lating Board a als other than w r of vegetable or with simila	aminboard, battenboard, hard or soft wa?! boardsd' and veneered panels, whether or not contairing an rood, cellular wood panels building boards or weco fibre, whether or not bonded with natural or artificia r binders, and artificial or reconstituted weed bein d ships, sawdust, wood flour or other lightous wast

	First Schedule to the Central Excises & Salt Act, 1944	
(8	(2)	(3)
r	1	Sugar.
2	IΙΛ	Petroleum Waxes.
3	14	Pigments, colours, paints, enamels, varnishes, blacks and cellulose lacquers.
4	14C	Glycerine.
5	14D	Synthetic organic dyestuffs (including pigment dyestuff) and synthetic organic derivatives used in any dyeing process
6	14E	Patent or Proprietary Medicines.
7	14G	Sulphuric Acid (including fuming acids and an hydrides thereof) all sorts.
8	15	Soap.
9	151	Artificial or synthetic resins and plastic materials and articles thereof.
10	15B	Cellophane that is, any film or sheet or regenerated cellulose
ľ	16A	Rubber Products.
12	16B	Plywood, blockboard, laminboard, battenboard, hard or soft wall boardsd's or insulating Board and veneered panels, whether or not containing any materials other than wood, cellular wood panels building boards or weed pulp or of vegetable fibre, whether or not bonded with natural or artificial resins or with similar binders, and artificial or reconstituted weed being wood, shavings, wood ships, sawdust, wood flour or other lightcols waste agglomerated with natural or artificial resins or other organic bindings substances in sheets blocks boards or the like.
13	17	Paper, all sorts (including pasteboard, mill board strewboard and careboard), in or in relation to the manufacture of which any process is ordinarily carried on with the aid of power.
¥4	18	Rayon and Synthetic fibres and yarn.
×5	18	Cotton twist, yarn and thread, all sorts, size or unsized in all forms including skeins hanks, cops, cones, boobins, pirns, spools, reels, cheeses balls or onwarp beams in or in relation to the manufacture of which any process is ordinarily carried on with the aid of power.
16	τ8B	Woollen yarn, all sorts, including knitting wool, in or in relation to the manufacture of which any process is ordinarily carried on with the aid of power
17	19	Cotton fabrics.
18	22	Rayon or artificial silk fabrics
19	22A	Jute manufactures (including manufactures of Bimlipatam Jute or of mest fibre), all sorts.
20	23A	Glass and glassware.
.51	25	Iron in any crude form including pig iron, scrap iron, molten iron or iron cast in any other shape or size.
22	26A	Copper and Copper alloys containing not less than fifty percent by weight of copper.
23	26AA	Iron or Steel products.
24	27	Aluminium.

(1)	(2 [`]	(3)
25	28	Fin plate and tunned sheets including tin taggers and cuttings of such plates, sheets or taggers.
26	30	Flectric motors, all sorts, and parts thereof.
27	33B	Electric Wires and cables, all sorts not otherwise specified.
28	42	Pilfer proof caps.
20	46	Metal containers.

APPENDIX II

(a) Application for obtaining duty free goods by plot holders at Kandla Free Trade Zone.—Any person incending to obtain duty free goods specified in Appendix I for use by him in his factory situated in Kandla Free Trade Zone shall make an application in writing to the Administrator in proper form to be prescribed by the Administrator, stating therein the annual quantity of the excisable goods required and the purpose for and the manner in which such goods are intended to be used and declaring that the goods will be used for such purpose and in such manner only. The Administrato, or any officer duly authorised by him may grant the application after causing such enquiries to be made as he may deem fit and the applicant shall then enter int, a bond in B-5 form (Admevure-D. 1 to D. 4) with such surety or sufficient security, in such amount and under such conditions as the Administrator approves. The Administrator may, however, allow the annual quantity of excitable goods to be brought as furnished by the manufacturer to be extended when a request to that effect is made. The concession shall expire on the 31st December every year, but may be reviewed if the Administrator or duly authorised officer sees no reason to the contrary:

Provided that, in the event of death, insolvancy or in-sufficiency of the surety, or where the amount of the Bond is in adequate, the Administrator or duly authorised officer may, in his discretion demand a fresh bond, and may, if the security furnished for a bond is not adequate, demand additional security.

After the grant of the application and execution of bond by the applicant, the security officer will issue a certificate, in the enclosed form (Annexure E) certifying that;

- (i) the applicant is a bonafide plot holder of the Free Trade Zone:
- (ii) has executed a bond in form B-5 with the Free Trade Zone authorities showing the number and particular of the bond; and
- (iii) that the specimen signatures of the authorised agent of the importer furnished on the body of the certificate is genuine and he would attest it. The certificate will be sent by the security officer under registered post (acknowledgement due) to the factory from which the goods are to be obtained A copy of the certificate will also be sent by the security officer to the Superintendent in-charge of the range of the factory from where the goods are to be received
- (b) Removal of goods to Kandla Free Trade Zone.—On receipt of the aforesaid certificate the factory (consignor) from where the goods have to be removed shall prepare an application in form A. R. 3A (as in annexure 'A') in quarduplicate for removal of non-duty paid goods from one warehouse to another mentioning clearly the number and date o' the Bond in form B-5 as per the certificate issued by the security officer of the Kandla Free Trade Jone. Removal application in form A. R. 3-A must be serially numbered. The S. No. should be according to the financial year. The S. No. must be noted on all the copies. Whenever any removal application has to be cited in the course of correspondence, the name of the factory, the serial number and date of A.R. 3-A should always be quoted as reference. The consignor shall, however, intimate to the proper officer about the removal of goods at least 12 hours before such removal is expected to take place.

(c) Marking of the packages. Pakages to be marked and address to be noted in the application:—

The factory of removal (consignor) must

- (i) ensure that packages bear proper marking and number;
- (ii) ensure that all copies of A. R. 3-A are prominently marked "Intended for use in Kandla Free Trade Zone";
- (iii) give the full address of the factory of removal as well as of the Superintendent in charge of the range under which the factory falls and the Collectorate to which it is attached.

Whenever any of these addresses is used for despatching purposes, care must be taken by the despatching factory to see that the full address of the Superintendent in-charge of the range including the names of the District is properly reproduced.

- (d) Preparation of Gate pass.—The consigner shall also prepare a gate pass in form G. P. 2 in respect of the goods proposed to be removed from his warhouse and will thereafter clear the goods on his own without any verification by any Central Excise Officer.
- (e) Disposal of documents A.R. 3-A and Gate pass.—The consignor shall send the original and triplicate copy of A.R. 3-A and original copy of the gate pass along with the consignment to the consignee. The duplicate copy of the A.R. 3-A will be sent by the consignor to the Administrator, Kandla Free Trade Zone. The quadruplicate copy of the A.R. 3-A along with a copy of gate pass will be sent by the consignor to the officer-in-charge of his warehouse within 24 hours of the removal of the consignment in question.
- (f) Action at destination.—On receipt of the duplicate applications in the Free Trade Zone Administrative Office, it must immediately be entered in the "Record of Receipts in bond" (vide Annexure 'C') and forwarded the same day to the security officer. The entries in this record should be verified against relative entries of the Record of Raw Materials prescribed by the Administrator.
- (g) Responsibility of further accounting.—After delivery of the non-duty paid excisable goods from a manufacturer in the rest of India to the plot holder in the Free Trade Zone, proper accounting of these goods will be the responsibility of the Free Trade Zone Authorities.
- (h) Examination of the consignment on receipt.—(1) The consignee must give intimation of the arrival of the consignment at his premises to the security officer of the Trade Zone witout any delay and should store the same separately and intact, pending examination and check by the Preventive Officer who will be deputed by the Security Officer for this purpose. The Preventive Officer after taking account of the goods will identify them with the marks and numbers, and weigh the consignment in full. Thereafter, he shall complete the re-warehousing certificate on the duplicate copy received from the security officer and original and triplicate copy of the applications presented by the consignee, return duplicate to the Central Excise Officer-in-charge of the factory of removal direct and triplicate to the consignee for despatch to the consignor after noting thereon the deficiency or excess, if any.
- (2) Duty on shortages/losses in transit.—Since the B-5 bond (surety/security/general security/general surety) (as in Annexure DI-4) would have been executed by the consignee, duty on shortages will be demanded from him after condoning the permissible losses in transit. For such commodity a separate schedule of losses will be formulated and issued by the Administrator.
- (i) Re-entry.—If the duplicate application is received by the security officer of the Zone, before the arrival of the goods is reported to him by the consignee. he must keep it pending, securely and systematically filed in a file marked "pending duplicate A.R. 3-A application" and record the particulars of the consignment in his "Record of receipts in bond" prescribed as in Annexure 'C' and no sooner the consignment is received, he will follow the procedure prescribed in para (h) above.
- (j) Duty leviable on excisable goods not duly accounted for as having been utilised in the manufacture of goods for export etc —If my excisable goods obtained under this procedure are not duly accounted for as having been utilized in the

manufacture of goods meant for export only, or, are not shown to the satisfaction of the proper officer to have been lost or destroyed by natural causes or by unavoidable accidents during storage or handling in the approved premises, or, have been permitted to be disposed of as refuse or wastage within the permissible limits prescribed by the Administrator, the applicant shall, on demand by the proper officer, immediately pay the duty leviable on such goods. The concession may at any time be withdrawn by the Administrator if a breach of the procedure is committed by the applicant, his agent or any person employed by him. In the event of such a breach, the Administrator may also order the forfeiture of the security deposited under para (a) of the procedure and may also confiscate the excisable goods and all goods manufactured from such goods in store in the premises of the applicant.

- (k) Despatch of duplicates by registered post acknowledgment due.—Despatch of the duplicate application in form A.R. 3-A referred to in para (e) must always be made by registered post, acknowledgment due, and the postal receipt acknowledgment must be systamatically filed by the consignor and presented for Inspection to the Superintendent-in-charge of the factory whenever required.
- (1) Demand of duty on goods not reaching destination.—Under sub-rule (1) of rule 156(B) of the Central Excise Rules 1944, if the certificate of re-warehousing of a consignment of excisable goods despatched to the consignee of Kandla Free Trade Zone [as per para H(i)] is not received back by the consignor within 90 days of the removal of the goods or within such extended period as may be allowed by the Collector, it is the responsibility of the consignor to himself pay the duty leviable on the consignment by a debit entry in his account current. However, a provision has been made that in such cases where the consignor produces proof of re-warhousing to the satisfaction of the proper officer after payment of duty in the manner indicated above, he will be eligible for grant of refund on the duty so paid by making an application.

The officer-in-charge of the factory or warehouse may also demand duty on a consignment the re-warehousing certificate in respect of which has not been received within the stipulated period. In such cases if the consignor has already paid the duty leviable on the consignment by a debit entry in his account current, he may intimate the officer-in-charge about the particulars of such deposit in reply to this notice of demand.

- (m) Action by the officer-in-charge of the factory of removal in case of non-receipt of the re-warehousing certificate.—If the duplicate copy of A.R. 3-A [see para h(i)] is not returned to the officer-in-charge of the factory of removal within a month of the removal of consignment reminders must be issued regularly at fortnightly intervals to the security officer of the Free Trade Zone. If despite such reminders, the duplicate application is not received within two months of the date of removal of the consignment, the matter should be reported to the Assistant Collector of Central Excise in whose charge the consignor operates who must immediately communicate with the Assistant Collector of Customs of the Free Trade Zone; and either secure a satisfactory proof of the consignment having been duly received by the importer at Free Trade Zone or ensure that the duty properly due on the goods not so received at destination is recovered as per para (1) above.
- (n) Verification of the use of non-duty paid goods.—On receipt by the consignee, such goods shall be utilized in the manufacture of goods intended (solely) for export. It shall be the responsibility of the Assistant Collector of Customs/Security Officer of the Zone to ensure that all non-duty paid goods have been fully utilized for manufacture of goods intended for export only or are otherwise accounted for to the satisfaction of the Administrator of the Free Trade Zone.

. .Original Duplicate Triplicate

Range

ANNEXURE 'A'

FORM A.R. 3-A

Application for removal of excisable goods from a bonded war, hot so is Irdia to a Plot in the Kandla Free Trade Zo, e

Number and	mentioned goo	mentioned goods from the warehouder./Messrs		e atto		the Factory a	it Plot No			ave to remove ctor No Manner of	ot
date of entry in warehouse register	goods	descrip- tion of packages	weight of packages	and numbers of pack- ages		first ware- housing (in the case of tobacco only)		R2te	Amount	- transport	
I	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	 To be entered 	red by the co	nsignor/owi	ier or his a	uthorised ag	ent in words a	and figures	•			
	2. The afores	aid Mr./Mess	rs			have	executed a	bond at des	tination, in l	Form B-5-A (Sur or Sec)/or
	B-5-A (Gen-Si	ur) or (Gen-S	Sec) bearing	No		dated		for rupe	ees		
	Delete the ent	tries not app	licable.								
	A certificate fro	on the Centra	l Excise Off	icer of Cen	tral Excise.		in Form	C.T. 3 is at	tached.		
	3. I/We here	by declare th	e above pa	rticulars to	be true.						

Place Date

Signature of Consignor(s)/Owner(s) or his/their authorised agent.
(1) Certificate of Central Excise Officer at Warehouse of Removal.
o .
The Security Officer, Kandla Free Trade Zone, Gandhidham (Kutch).
I hereby certify that the consignment conforms in all respects to the description given above and I have permitted removal under ransport Permit in Form G.P. No
ace Inspector of Central Excise
Certificate of Preventive Officer at Warehouses at Kandla Free Trade Zone.
I hereby certify that the consignment arrived at Plot No
ace Preventive Officer
ate Kandla Free Trade Zone.

ANNEXURE 'B'

Record of Removals in Bond

RANGE OFFICER

S1 '	A.R. 3	Name, address	GO	ODS	DESTINA'	rion	
No.	No. and date.	and L. 4 of the factory of removal.	Description	Net quantity despatched	Name, address and L. 4 No. of the Factory at Kandla Free Trade Zone.	Plot No	
1	2	3	4	5	6	7	
			<i></i>				
No. a bond	nd date of i	B-5A		Duplicate	A.R. 3		
execu	ited (consig	nor or Date of despatch Security at destin	n to ders Officer retu	s issued for of	ate of return duplicate.	Date of des- patch to Circle Officer of origin for record	
	8		·	10	11	12	
	·						
Wheth		Date of re-ware-housing	Gain (Plus) o in tran	r Loss (Minus)	on 1088, if		
onsig	nor from nec—Yes/N		Total	Percentage of Col. 5	bond taken from consigno	r	
опвід							

ANNEXURE 'C'

KANDLA, FREE TRADE ZONE ADMINISTRATION

(Record of Receipts in Bond for Kandla Free Trade Zone)

Sl. No	No. and o	iate of	Description	Rate of duty		
110	A.R. 3A	Gate Pass	-			
I	2	3	4		5	
 	`packages	Net Quantity	Name, L 4 No.	Duplicate A	A.R. 3	
	, wg-v	2.13.14	and address of consignor	Date of receipt		
	6	7	. 8	9	10	
-						
G	ain (Plus) or	Loss (Minus) in tra	nsit Action take	n on loss if	Remarks	
	Total	Percentage o column 7	consignee	-ton		
	II I2					

ANNEXURE 'D-1'

FORM B-5 A-(SURETY)

Bond (with surety) for the due arrival and re-warehousing of excisable goods removed from a warehouse in India to a Factory in the Kandla Free Trade Zone.

		(Delete letters and words not applicable)	
severally to be paid	bound d to th	of(herein to the President of India in the sum of e President of India for which payment we j nd our legal representatives.	ety) are jointly and
warehouse	ar app	unden obligator(s) being permitted to remove lication No	from the bonded
amendmei	nts the	s of this Bond is that if the obligor(s) and his/ rve all the provision of the Central Excise Rule reto, as may be issued from time to time to be transferred;	o 1044 and alleuch
And if at Kandla	all the Free	said goods are duly removed to and re-wareho	oused at the Factory
The ob	ligation	a shall be void.	
Otherw dition, the	ise an same	d on breach or failure in the performance of a shall be in full force.	ny part of this con-
I/We of ment for	declar e the per	that this bond is given under the orders of the formance of an act in which the public are into	the Central Govern- terested.
Place			
Date		Signa	ture(s) of Obligor(s)
Witnesses	(1)	Address (1)	Occupation (1)
	(2)	(2)	(2)
Place			Signature of Surety.
Date			
Witnesses	(1)	Address (1)	Occupation (1)
	(2)	(2)	(2)
		Accepted by me thisday of	197
		,	of Central Excise

of Kandla Free Trade Zone.

ANNEXURE 'D-2' FORM B-5 A-(SECURITY)

Bond (with security) for the due arrival and rewarehousing of excisable goods

removed from a Zone.	bonded warehouse in India to a Factory i	n the Kandla Free Trade
·	(Delete the letters and words not appli	icable)
I/We	(h	nereinafter called the
obligor(s)	bound to the President	dent of India in the sum
are	jointly and severally.	
of	rupees to be paid to the	he President of India for
which payment.	I	elves and my/our legal
	we jointly and severally	
representatives.		
The above be in his/their app warehouses at Plot No	ounden obligor(s) being permitted to rem lication No dated	ove the goods described from the bounded ofat andla Free Trade Zone.
after called the	Collector of Central Excise ated the Collector)/Administrator, Kandla F Administrator) has required the obligor(s)	to deposit, a guarantee
for the amount	of this bondthe sum of	•
		as hereinafter mentioned
of a total/face va	rupees endo	
Whereas the Collector/Admini	obligor(s) has/have furnished such b strator the cash/securities as aforementio	by depositing with the med;
tatives shall obse	of this Bond is that if the obligor(s) and erve all the provisions of the Central Excuetto, as may be issued from time to time transferred;	se Rules, 1944, and such
before the	said goods are duly removed to an re-ware	ehoused at
	n shall be void.	
tion, the same sh	on breach or failure in the performance of tall be in full force.	
the loss and dam:	dent of India, shall, at his option, be com- ages either from the amount of the guarant ler the above written bond or by both.	petent to make good all tee deposit or by enforc-
I/We declare ment for the per	that this bond is given under the orders formance of an act in which the liable are	of the Central Govern- e interested,
	Sig	nature(s) of Obligor(s),
Place		
Date		0
Witnesses (1)	Address (1) (2)	Occupation (1) (2)
(2) A	Accepted by me thisday	
•		of Central Excise

ANNEXURE 'D-3'

[FORM B-5 A (GEN—SEC)]

General bond (with security) for the due arrival and rewarehousing of excisable goods removed from a bonded warehouse in India to a Factory in the Kandla Free Trade Zone.

Trace Zone,
(Delete the letters and words not applicable)
I/Wehereinafter called the obli
gor(s)bound to the President of India in the we jointly and severally
sum ofrupees to be paid to the President of India for
which paymentIbind myself/ourselves and my/our legs
we jointly and severally
representatives.
The above bounden obligor(s) being permitted to remove from time to time conditional on the provisions of the Central Excise Rules, 1944, being observe
Whereas the Collector of Central Excise at
in cashendorsed in favour of the
mentioned of a total face value ofrupees Collector/Administrator, namely
And whereas the obligor(s) has/have furnished such guarantee by depositing with the Collector/Administrator the cash/securities as aforementioned. The condition of the board is that if the obligor(s) or his/their representatives shall observe all the provisions of the said Rules and all such amendments thereto as may be issued from time to time to be observed in respect of the goods so transferred from time to time;
And if the said goods are duly removed to an rewarehoused at the bonded ware house(s) of destination to which it is permitted to be removed within such time as the proper officer directs;
This obligation shall be void.
Otherwise and on breach or failure in the performance of any part of this condition, the same shall be in full force.
And the President of India shall at his opinion be competent to make good at the loss and damages either from the amount of the guarantee deposit or by enforcing his rights under the above written bond or by both.
I/We declare that the bond is given under the orders of the Central Governmen for the performance of an act in which the public are interested.
Place Signature(s) of Obligor(s)
Date
Witnesses (1) Address (1) Occupation (1
(2)
Accepted by me thisday of
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·

of Kandla Free Trade Zone.

ANNEXURE 'D-4'

FORM B-5 A(GEN-SUR)

General bond (with surety/ies) for the due arrival and rewarehousing of excisable goods removed from a bonded warehouse in India to a Factory in the Kandla Free Trade Zone.

(Delete the letters and words not applicable)

The condition of this bond is that if the obligor(s) and his/their legal representatives shall observe all provisions of the said Rules and all such amendments thereto as may be issued from time to time.

And if the said goods are duly removed to and rewarehoused at the bonded warehouse(s) of destination to which they are permitted to be removed within such time as the proper officer directs.

This obligation shall be void.

Otherwise and on breach or failure in the performance of any part of the condition the same shall be in full force.

I/We declare that this bond is given under the orders of the Central Government for the performance of an act in which public are interested.

Place

......of Central Excise

of Kandla Free Trade Zone.

ANNEXURE 'E'

KANDLA FREE TRADE ZONE
No
FORM G.T.—3
CERTIFICATE FOR REMOVAL OF WAREHOUSED GOODS UNDER BOND.
This is to certify that:
(1) Mr./Messrs(Name and address) is/are borafide plot-holders in the Kandla Free Trade Zone;
(2) that he/they has/have executed a bond in form B-5 (surety) (security) (general surety) (general security).
No
(3)that the specimen signatures of his/their authorised agent namely
Shriare furnished herebelow duly attested;
Specimen signatures of owner Security Officer,
or his authorised agent KANDLA FREE TRADE ZONE.
(Sd./-)

(Sc./-) Attested, Security Officer.

[No. 199/71-C.E./F. No. 71/26/71-CX-2.]

J. P. KAUSHIK, Under Secy.

विस मंत्रालय

(राजस्व धौर बीमा विभाग)

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर, 1971

सा० का० नि० 1865.— प्रतिशित उरापद-शुल्क (विशेष महत्व का मान) श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उरपाद-शुल्क तियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त गाक्तियों को प्रयोग करते हुए, श्रीर भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व श्रीर बीमा विभाग) की श्रिधिसूचना सं० सा० का० नि० 813, तारीख 26-5-67, को श्रिधिकान्त करते हुए, केन्द्रीय सरकार, यह समाधान होने पर कि लोक हित में ऐसा करना श्रावश्यक है, इस श्रिधसूचना के परिशिष्ट 1 में विणत उत्पाद-शुल्क योग्य माल को जब वें भारत के श्रन्य भागों में स्थित उनके विनिर्माण के कारखानों से, निर्यात के लिए एक माल रूप से श्राशायित माल के उपादन के लिए उक्त जीन में श्रवस्थित उद्योगों द्वारा उपयोग के लिए कांडला फी देड जीन में लाए। आयं —

(i) केन्द्रीय उत्पाद मुक्क भौर लवण भ्रधितियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के भ्रधीन उन पर उद्युहणीय उत्पाद-मुक्क के, भौर

- (ii) प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन उन पर उद्-ग्रहणीय ग्रतिरिक्त उत्पाद-ण्ल्क, के संपूर्ण शुल्क से निम्नलिखित शतों के अधीन रहते हुए, एतव्दारा छट देती है, अर्थात् :---
 - (1) परेषिती कांडला फी ट्रेंड जोन में विनिर्माण यूनिट या यूनिटों की स्थापना करने के लिए प्राधिकृत है;
 - (2) परेषिती विनिर्माण के कारखाने के सीधे उत्पाद-शुल्क योग्य माल लाता हो
 - (3) इस प्रकार लाए गए समस्त उत्पाद-शुल्क योग्य माल परेषिती द्वारा या उसकी ग्रीर से कांडला फी ट्रेड जोन में एक माल्ल रूप से निर्यात के लिए ग्रिभिप्रेत माल के विनिर्माण के लिए उपयोग में लाए जाते हैं ग्रीर ऐसे सभी विनिर्मित माल निर्यात किए जाते हैं;
 - (4) इस श्रधिसूचना के परिणिष्ट 11 में उपवर्णित प्रक्रिया काङला फीट्रेड जोन में श्रनुसरण की जाती है।
- (2) इम अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए कांडला फी ट्रेड जीन निम्नलिखित सर्वे नम्मर वाले स्थलों में समिविष्ट होगा और नीचे विनिर्दिष्ट सीमाओं से परिवेष्टित होगा:---

सर्वे नम्बर

गुजरात राज्य, कच्छ जिला, म्रंजार तालुका में 199, 200, 201, 202, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 211, 212, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 257, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 302, 303, 304, 310, 312, 313, और 315 सर्वे तम्बर कांडला पत्तन से 9.6 कि० मी० की दूरी पर, 3.3528 मीटर ऊंबाई के महाते से परिवेष्टित जिसकी कुर्सी पत्थर चूना से बनी है भीर जिसके भीष पर नरम लोहे की मलाखों की जाली है, जो उत्तर में 1,042.49 मीटर, पश्चिम में 1529 51 मीटर, दक्षिण में 777.85 मीटर भीर पूर्व में 1847.88 मीटर लंक विस्तृत है।

परिशिष्ट	1
	_

कः केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तथा सं० लवण श्रिधिनयम, 1944 की प्रथम श्रनुसूची में की मद सं०

वर्णन

I	2	3
1	1	शर्करा
2	1 1年	पेट्रोलियम बै क्सेस
3	14	वर्णक, रंग, प्रलेप, इनेमन, वार्निश, काले रंग तथा सेलूलोज लेकर ।
4	1 4ग	न्लिसरीन ।
5	14घ	संदिलष्ट कार्वानिक रंजकद्भव्य (जिसके घ्रन्तर्गत वर्णन रंजक द्रव्य भी है) ग्रौर किसी रंगन प्रक्रिया में उपयोग में लाई जाने वाली संश्लिष्ट कार्वनिक व्युत्पत्तियां ।
6	143	पेटन्ट या एकायत्त ग्रौषधियां ।
7	1 4 ত	सभी प्रकार के सत्य्यूरिक ग्रम्ल (जिसके श्रांतर्गत सधूम श्रम्ल श्रीर इसके एनहाइड्रेड श्राते हैं)।
8	15	साबुन ।
9	1 5年	कृत्निम या संक्लिष्ट रेज्ञिन तथा प्लास्टिक सामग्रियां श्रीर उसकी वस्तुएं ।
10	1. 5ख	सेलोफेन, श्रर्थात् पुनर्योजित सेलुलोज की कोई फिल्म या चादर।
11	1 6क	रबर उत्पाद ।
12	1 6ফা	प्लाईबुड, ब्लाकबोर्ड, पटलित बोर्ड, बत्ता बोर्ड, कड़ा या नम मित्ति बोर्ड, या उष्मारोधक बोर्ड तथा पृष्ठावरित पैनल, चाहे उनमें काष्ठ से भिन्न कोई सामग्री हो या न हो कोशिकीय काष्ठ पैनल काष्ठ-लुगदी या वनस्पति तन्तु के इमारती बोर्ड, चाहे वे प्राकृतिक या कृत्विम रेजिनों या वैसे ही बंधनों से श्राबद्ध हों या न हों तथा कृत्विम या पुनर्गठित काष्ठ जो चादरों, ब्लाकों, बोर्डी या वैसी चीर्जों में प्राकृतिक या क्रत्विम रेजिनों या श्रन्य कार्वनिक बंधकंपदार्थों के साथ एक्रत्वित काष्ठ छोलन काष्ठ चेलियां, काष्ठबुरादा, काष्ठ चूर्ण श्रथवा श्रन्य काष्ठ का श्रपिशष्ट हो।

1	2	3
13	17	मभो प्रकार के कागज (जिसके श्रन्तर्गत पेस्ट बोर्ड, मिल बोर्ड, स्ट्राबोर्ड ग्रौर दफ्ती है) जिनके विनिर्माण मे या विनिर्माण के सम्बन्ध में कोई प्रक्रिया मामूली तौर पर विद्युत् शक्ति की सहायना से चलाई जाती है।
14	18	^{रे} यन तथा संक्लिष्ट ततु श्र ौ र सूत
15	1 शक	किसी भी रूप में सभी साइज की हुई या साइज त की हुई सभी प्रकार की बटी हुई कपास, सूत और धार्गे. जिसके प्रन्तर्गत लच्छिमा, ग्रहियां, गोलक, शंकु, फिरिकयां, बाविन, चिंखयां, रीले, मोमजाने, गोले या तानक वल्ली जिसके विनिर्माण में या विनिर्माण के सम्बन्ध में कोई प्रक्रिया मामूली तीर पर विद्युत् शक्ति की सहायता से चलाई जाती है।
16	1 5ত্ত্ব	सभी प्रहार का ऊँनी धागा, जिसके श्रन्तर्गत बुनाई की ऊन भी है, जिसके त्रिनिर्माण से या त्रिनिर्माण के सम्बन्ध में कोई प्रक्रिया मामूली तौर पर शिद्युत् शक्ति की सहायता से चलाई, जाती है ।
17	19	सूती कपड़े।
18	22	रेयन या कृतिम रेशम के कपड़े
19	22新	सभो प्रकार के जूट के त्रिनिर्णाण (जिसके श्रन्तर्गत विमलो पाटम जट या मेस्टा तन्तु के त्रिनिर्माण भी हैं) ।
20	2 3क	काच तथा कान के गामान ।
21	25	किसो भी भ्रापिष्कृत रूप में लोहा जिसके भ्रन्तर्गत कच्ला लोहा, रही लोहा, पिघला हुया लोहा या किसी भ्रन्य भ्राकृति या भ्राकार मे ढला हुश्रा लोहा भी है ।
22	26年	तावा ग्रौर मिश्र तां बों , जिसमे तोल के प्रनुसार पचास प्रतिणन से भ्रन्यून तांबा, भ्रन्तविष्ट हो ।
23	2 6কক	लोहे या इस्पात के उत्पाद
24	27	एलुमिनियम
25	28	टीन की प्लेटें ग्रौर टीन की चादरें, जिसके ग्रन्तर्गत टीन की पतली जादरें ग्रौर ऐसी प्लेटों, चादरों या पतली चादरों की [कतरनें भी है।
26	30	सभी प्रकारकी विद्युत् मोटरेंश्रौर उनके पुर्जे।
27	3 3 ব্	सभी प्रकार के विद्युत् तार तथा केबिल, जो श्रन्यथा <mark>विनिर्दिष्ट</mark> नहीं है ।
28	42	पिलफर-पूफ टोपियां ।
29	46	भातु के पात्र ।

परिशिष्ट II

फी ट्रेड जोन में उपयोग के लिए शुल्क-मुक्त उत्पादशुल्क योग्य मान के ''बन्धक में'' संचालन को विनियमित करने के लिए प्रक्रिया ।

कांडला फी ट्रेड जोन में प्लौट घारकों द्वारा शुल्क-मक्त माल श्रिभिप्राप्त करने के लिए ग्रावेदन ।

(क) कांडला फी ट्रेंड जोन में स्थित श्रपने कारखाने में श्रपने द्वारा उनयोग के लिए परिशिष्ट 1 में विनिर्दिष्ट शुल्क मुक्त माल को प्रभिप्राप्त करने के ग्राणयित कोई व्याक्ति, प्रणासक द्वारा विहित फिए जाने वाले उचित प्ररूप में प्रशासक को लिखित श्रावेदन करेगा जिसमें वह उत्पाद-शल्क योग्य माल को श्रपेक्षित वार्षिक परिमाण, प्रयोजन ग्रीर रोति, जिसमें ऐसे माल का उपयोग करना भ्राशयित है श्रौर साथ ही घोषणा करके कि वह माल ऐसे प्रयोजनों के लिए तथा केवल ऐसी रीति में है उपयोग में लाया जाएगा , कथित करेगा । प्रशासक या उसके द्वारा सम्यक रूप से प्राधिकृत कोई ग्रधिकार, ग्रावेदन की ऐसी जांच करने के पश्चात् जो वह ठीक समझे, श्रावेदन को मंजूर कर सकेगा और श्रावेदक ख-5-प्ररूप (उपाबन्ध घ-1 से घ 4 तक) मे ऐसी प्रतिभू या पर्याप्त प्रति-भूति सहित ऐसी रकम का श्रीर ऐसी शतीं के श्रधीन जी प्रशासक प्रनुमोदित करे बंध पल करेगा। किन्तु, प्रशासक उत्पादक-शुल्क योग्य माल के लाए जाने वाले वार्षिक परिमाण प्र**न्जा**त करेगा, जो विनिर्माता द्वारा दिया जाएगा ग्रीर उसे बढ़ा दिया जाएगा जब उसके लिए प्रार्थना की जाए । यह रियायत प्रत्येक वर्ष 31 दिसम्बर, को समाप्त होगी किन्तु यदि प्रशासक या सम्यक् रूप से प्राधिकृत श्रधिकारी कोई प्रतिकुल कारण नहीं पाता हो, तो उसका पूर्निवलोकन कर सकेगा

परन्तु मृत्यु, दिवालियापन या प्रतिभू को ग्रममर्थता की दशा में या जहां बंध-पत्न की रकम श्रपर्याप्त हो, प्रशासक या सम्यक् रूप से प्राधिकृत श्रधिकारी , स्वविवेकानुसार, बंध-पत्न की मांग कर सकेगा श्रीर यदि बंध-पत्न के लिए दी गई प्रतिभिति पर्याप्त नहीं है, तो वह श्रतिरिक्त प्रतिभृति की मांग कर सकेगा ।

भावेदन मंजूर होने श्रीर भावेदक द्वारा बंधपत्र निष्पादिन करने के पश्चात् सूरक्षा भधिकारी सलग्न प्ररूप (उपाबन्ध ४) में निम्नलिखित प्रमाणित करते हुए एक प्रमाणपत्र जारी करेगा:—

·(1) भावेदक फी ट्रेड जीन का वास्तविक प्लाट धारक है;

- (2) उसने प्ररूप य−5 में फ्री ट्रेंड जोन प्राधिकारियों के साथ बर्ध पत्न का निष्पादन बंध पत्न की संख्या ग्रीर विशिष्टि दिखाते हुए किया है; ग्रीर
 - (3) प्रमाणात के उत्तर दिए गए प्रायातकर्ता के प्राधिकृत प्रभिकर्ता के नमृताहस्ताक्षर ग्रसली है ग्रीर वह उसे भ्रनुप्रमाणित करेगा । प्रमाण पत्न सूरक्षा ग्रधिकारी द्वारा
 रिजस्ट्रीकृत डाक (रसीदी) के ग्रधीन उस कारखाने को भेजा
 जाएगा जिससे माल ग्रिभिग्राप्त किया जाना है। प्रमाण-पत्न
 की एक प्रति सूरक्षा ग्रधिकारी द्वारा उस कारखाने के रेंज
 भारसाधक ग्रधीक्षक को भी भेजी जाएगी जहां से माल प्राप्त
 होना है।

माल का, कांडला फी ट्रेंड जोन को हटाया जाना।

(ख) उपर्युक्त प्रमाणपत्न की प्राप्ति पर वह कारखाना (परेषिती) जहां से माल हटाया जाना है, एक भाँदागार से दूसरे भाँडागार में प्रगुल्क संवत्त माल को हटाने के लिए कांडला फी ट्रेड जोन के सूरक्षा प्रधिकारी द्वारा जारी किए गए प्रमाणपत्न के भ्रनुसार प्ररूप ख-5 में बन्ध-पत्न की संख्या भौर तारीख स्पष्ट रूप से बसलाते हुये प्ररूप ए० ग्रार० 3 क (जैसा उपबन्ध क' में है) में चार प्रतियों में एक भ्रावेदन तैयार करेगी। ए० भ्रार० 3 क में हटाए जाने के लिए भ्रावेदन कम से संख्याकित किया जाना चाहिए। कम संख्या वित्तीय वर्ष के भ्रनुसार होनी चाहिए।

कम सं० सभी प्रतियों पर लिखी जानी चाहिए। जब कोई हटाए जाने के लिए ग्रावेद का पताचार के ग्रनुकम में संध्रभं देना है तब कारखाने का नाम, ए० ग्रार० 13क की कम संख्या ग्रीर तारीख निर्देश के लिए सर्वेशा उद्धृत करनी चाहिए। किन्तु परेषिती उचित ग्रिधकारी को माल के हटाए जाने के सम्बन्ध में ऐसा हटाया जाना जब प्रत्याशित हो उससे कम से कम बारह खंटे पहले सुचना करेगा।

पैकेओं काचिह्नन ।

(ग) पैकेजों का चिह्नत किया जाना श्रीर श्रावेदन में पता लिखिना ।

जहां से माल हटाया जाता है वह कारखाना (परेषक) --

- (1) सूनिभ्चित करेगा कि पैकेजों पर उचित चिह्न ग्रौर संख्या दी गई है ;
- (2) सूनिश्चित करेगा कि ए० ध्रार०-3क की सभी प्रतिलिपियों पर ''काङला फी ट्रेंड जोन में उपयोग के [[]लिए घ्राशियत'' संयुक्त रूप से चिह्नित किया गया है।
- (3) जिस कारखाने से माल को हटाया जाता है उसका तथा जिस रेंज के भारसाधक प्रधीक्षक के भ्रधीन वह कारखाना भाता है श्रीर जिस कलक्टरी से संलग्न है उसका पूरा पता देगा।

जब कभी इतमें से कोई पना भेजने के प्रयोजन के लिए उपयोग में लाया जाता है, तब भेजने वाले कारखाने द्वारा सावधानी ली जानी चाहिए कि रेंज के भारसाधक श्रधीक्षक का जिला के नाम सही पूरा पना समुप्ति रूप से पुनर्लिखित किया गया है।

गेट पास का तैयार करना

(घ) परेषक अपने भां आगार से हटाए जाने वाले प्रस्तावित माल की बाबत जीव पीव 2 प्रका में गेट पास भी तैयार करेगा और उनके पश्चात् अगनी श्रोर से किसी केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क अधिकारी के सत्यापन के बिना माल की निकालेगा।

ए० श्रार० 3क श्रीर गेट पासों का निपटारा। (ङ) परंपक ए० ग्राप्० 3क की मूल ग्रीर तृतीय प्रति श्रीर गेट पास की मूल प्रति परंषण के साथ परंषिति के पाम भेजेगा ए० ग्रार० 3क को द्विनीय प्रति परंषक द्वारा प्रशासक, कांडला फी ट्रेड जोन को भेजी जाएगी। गेट पाम प्रति के माथ ए० ग्रार० 3क की चतुर्थं प्रति परंषक द्वारा उसके भाडागार के भारसाधक प्रधिकारी को प्रशासन परंषण के हटाये जाने के चौबीस घंटे के भीतर भेजी जाएगी।

गन्तव्य स्थान पर कार्रवाई

(त्र) फ़ी ट्रेड जोन प्रणामन कार्यालय में प्रायेदन की द्वितीय प्रति प्राप्त होने पर, "बंधान्त में प्राप्तियों का श्रिभिलेख" (उपानन्ध" 'गं' देखिए) में तुरन्त उसकी प्रविष्टि की जाएगी और सूक्षा श्रिधकारी को उसी दिन भेजी जायगी। इस श्रिभिलेख में की प्रविष्टियों प्रनाशक द्वारा विहित कच्चे माल के श्रिभिलेख से सम्बन्धित प्रविष्टियों के प्रति मत्थापित की जानी चाहिए।

म्रतिरिक्त हिसाब रखने का दायित्व । (छ) फ़ो ट्रेड जोन में प्लाट धारक को भारत के शेष भाग से किसी विनिर्माता से श्र-शुक्क -संदत्त उत्पाद-शुक्क योग्य माल के परिदान के पश्चात् उस माल का उचित हिमाब रखना फ़ी ट्रेड जोन के प्राधिकारियों का दायित्व होगा।

पारेषण की प्राप्ति पर परीक्षा (ज) (1) परेषिती को ग्राने परिसर में परेषण के श्राने की सुचना की ट्रेंड जोन के सूरक्षा श्रिष्टिकारी को श्रिष्ठिलम्ब देनी चाहिए श्रौर निवारक प्रिष्ठिकारी द्वारा जो इस प्रयोजन के लिए सूरक्षा श्रिष्ठिकारी द्वारा जो इस प्रयोजन के लिए सूरक्षा श्रिष्ठिकारी द्वारा नियुक्त किया जाएगा जांच ग्रौर परीक्षा होने तक प्रयक्त का से माल का स्टोर करना चाहिए श्रौर उसे श्रक्षत रखना चाहिए। माल का हिसाब लेने के पश्नात् निवारक श्रिष्ठिकारी चि ों ग्रौर संख्या से उनका पहचान करेगा तथा पूरे परेषण का वजन करेगा। उसके परचात् वह सुरक्षा श्रिष्ठिकारी से प्राप्त द्वितीय प्रति श्रौर परेषिती द्वारा प्रस्तुत किए गए ग्रावेदनों की प्रथम तथा तृतीय प्रति पर पुनः भाडागारण प्रमाणाव को पूरा करेगा। द्वितीय प्रति सीधे माल हटाए जाने वाले कारखाने के केन्द्रीय उत्पाद-सुल्क भारसाधक श्रिष्ठकारी को ग्रौर तृतीय प्रति, उस पर केन्द्रीय श्रिष्ठक्य, यदि कोई हो, नोट करने के परचात् परेषिती को परेषक को भेजने के लिए वापस कर देगा।

- श्रभिवहन में कमियों हानियों पर शुल्क
- (2) यतः ख 3 बशास्त्र (प्रतिभू प्रित्मभूति माधारण प्रतिभूति साधारण प्रतिभू (जैना उनाबाध घ 1 4 में है) परेषिती द्वारा निष्पादिदत किया गया होगा, किमयों पर मुक्त प्रभिवहन में अनुजेय हानि का उनभर्षण करने के नणान् उमसे मांगा जाएगा। प्रत्येक बस्तु के लिए हानियां की पृथक् अनुसुची बनाई जाएगी और प्रणामक द्वारा जारी की जाएगी।
- (छ) यदि अतिदेत की द्वितीय प्रति जोन के मुरक्षा अधिकारी द्वारा, परेषिती द्वारा उसे माल के आने की रिपोर्ट प्राप्त होने के पूर्व, प्राप्त हुई हो तो उसे उनको "ए० आर० उक आवेदन निलम्बित दितीय प्रति" निह्नित फाइल में फाइल करते हुए पुनिष्टित रूग से तथा अपवार से निलंबित रखना चाहिए तथा परेषण की विशिष्टियां उपावंध-ग में यथाविहित "बंध-पन्न में प्राप्तियों के प्रभित्वेख" में अभितिखंबत करनी चाहिए और परेषण के प्राप्त होने ही वह उपर्युक्त पेरा 'ज' में विहित प्रक्रिया का श्रनु-सरण करेगा।

उत्पाद-णुक्क योग्य माल पर उद्ग्रहणीय शुल्क, जिसका सम्यक् रूप से हिसाब न रखा गया हो श्रीर जिसका निर्यात श्रादि के लिएमाल के विनिर्माण में उपयोग किया गया हो।

(ज) यदि इम प्रक्रिया के स्रधीन प्रभिप्राप्त किसी उत्पादन-शुल्क योग्य माल का सम्यक्रहा से हिसाब न रखा गया हो श्रीर जिसका "दल निर्यात के लिए स्रिभिन्नेत माल के वितिमणि में उपयोग किया नया हो उदित अधिकारी के समाधान प्रद रूप में प्राकृतिक कारणों से या भाडागारण में या श्रनुमोदित परिनर में संभालने के दौरान प्रपरिहार्य दूर्घटना से खो गया है या नष्ट हो गया है, दिखाया नहीं गया है या प्रशासक द्वारा विहित प्रनुज्ञेय सीमाध्रों के भीतर करराया अपिशष्ट रूप से व्ययन करने की अनुजादी गई हो, तो आवेदक उचित श्रधिकारी की मांग पर ऐसे माल पर उद्ग्रहणीय शुल्क का संदाय तुरन्त करेगा। यहरियायत, प्रिक्रिया का भंग आवेदक या उसके श्रिभिकर्ताया उसके द्वारा नियो-जित किसी व्यक्ति द्वारा किया जाय, तो शासक द्वारा किसी भी समय वापस ले ली जाएगी। ऐसे भंगकी दशा में प्रशासक प्रिक्रिया के पैरा (क) के ग्रधीन निक्षिप्त प्रतिभृति के समपहरण भादेश भी वे सकेगा भीर उत्पाद-शुल्क योग्य माल तथा ग्रावेदक के परिसर में भंडार में रखे हुए ऐसे माल से विनिर्मित सभी माल का श्रिधिशहण भी कर सकेगा।

दूसरीं प्रतियों का रजिस्ट्रीकृत रसींदी डाक द्वारा भेजा जाना। (ट) पैरा (ङ) में निर्दिष्ट प्ररूप ए० धार० 3क में आवेदन की द्वितीय प्रति का प्रेषण सर्वेदा रिजस्ट्रीकृत रसीदी डाक द्वारा करना चाहिए और डाक रसीद परेषक द्वारा कमवार से फाइल करनी चाहिए और जब कभी अपेक्षित हो, तो कारखाने के भार-साधक प्रधीक्षक के निरीक्षण के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए। माल पर शुल्क की मांग,जो गंतव्य स्थान पर नहीं पहुंचा हो । (ठ) केन्द्रीय उत्पाद-मुल्क नियम , 1944 के नियम 156 (ख) के उपनियम (।) के अधीन यदि कांडला फ़ी ट्रेंड जोन के परेषिती को [पैरा (ज) (।) के अनुसार] भेजे हुए उत्पाद-मुल्क योग्य माल के परेषण के पुनः भाडागारण का प्रमाण-पत्न माल के हटाए जाने के नब्बे दिन या ऐसी विस्तारित श्रवधि के भीतर जो कलक्टर द्वारा अनुझात की जाय, परेषक द्वारा वापस प्राप्त नहीं हुआ हो, तो यह परेषक का वायित्व होगा कि वह अपने चालू खाते में नामें प्रविध्व द्वारा परेषण पर उद्यहणीय शुल्क का संदाय स्वयं करे किन्तु, उपबन्ध किया गया है कि ऐसे मामलों में, जहां परेषक का उचित अधिकारों के साधानअद का में उपर्युक्त उपदिश्वत रीति में शुल्क का संदाय करने के पण्चात् पुनः भाँडागारण का सबूतपेण करता है वहां वह आवेदन करके इस प्रकार संदत्त शुल्क पर के प्रतिदाय को प्राप्त करने का पात्र होगा।

कारखाना या भांडागार के भार साधक श्रिष्ठिकार परिषण पर, जिसके बारे में पुन: भाण्डागारण का प्रमाणपत्र नियत श्रविध के भीतर प्रात नहीं दुश्रा है, शुल्क की मांग भी कर सकेगा । ऐसे मामलों में, यदि परेषक ने श्रपने चालू खाते में र्तामे प्रविष्टि करके परेषण पर उद्ग्रहणींय शुल्क का पहले ही संदाय किया है. तो यह इस मांग की सूचना के जवाब में ऐसे निक्षेप की विशिष्टियों के बारे में भारसाधक श्रिष्ठकारी को सूचित कर सकेगा।

पुनः भोडागारण प्रमाण-पप्त की ग्रप्राप्ति के मामले में निष्कासन-कारखाने के भार साधक ग्रधिकारी द्वारा कार्यवाही । (इ.) यदि ए० ग्रार० उक [देखिए पैरा (ज) (1)] की द्वितीय प्रित निष्कासन के कारखाने के भारसाधक ग्रधिकारी का परेषण के निष्कासन के एक मास के भीतर वापस नहीं की गई तो फ़ी ट्रेंड जोन के सूरक्षा ग्रधिकारी को पाक्षिक ग्रन्तराली पर नियम्पत रूप से स्मरण पन्न भेजना चाहिए। यदि ऐसे स्मरणपन्नों के बावजूद भी ग्रावेदन की द्वितीय प्रति परेषण के निष्कासन की तारीख के बो मास के भीतर प्राप्त नहीं हुई हो, तो मामला केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क सहायक कलक्टर को, जिस के भारसाधन में परेषक कार्य करता हो, रिपोर्ट करना चाहिए जिसे फ़ी ट्रेड जोन के सीमाश्चल कलक्टर के साथ तुरन्त संपर्क करना चाहिए, और परेषण फी ट्रेड जोन पर ग्रायातफर्ता द्वारा सम्यक् रूप से प्राप्त हुन्ना है इसका समाधानप्रद सबृत प्राप्त करना चहिए या यह सूनिश्चित करना चाहिए कि इस प्रकार गन्तस्य स्थान पर ग्रप्राप्त माल पर उतित रूप से शोध्य शुल्क उत्ररोक्त पैरा (ठ) के ग्रनुसार वसूल किया गया है।

ध-शुल्क संदत्त माल के उप-योग का सध्यापन। (क्) परेषिती द्वारा प्राप्त होने पर ऐसा माल (केवल) निर्यात के लिए ग्रागयित माल के विनिर्माण में उपयोग किया जायगा। सीमा-गुल्क सहायक कलक्टरा जोन के सूरक्षा ग्रधिकारी की यह सूनिश्चित करने की जिम्मेदारी होगी कि सभी अ-शुल्क संदत्त माल केवल निर्यात के लिए आशियत माल के विनिर्माण में उपयोग में लाया गया है वा जन्मधा फ़ी ट्रेड जोन के प्रशासक के समाधानप्रद का से उसका शिकाब लक्षण गया है।

उपाव-ध क

प्ररुप ए० ग्राग्० 3क

रेंज प्रथम द्वितीय तृतीय

भारत में बंध-पत्नित भांडागार से उत्पादन-गुल्क योग्य माल के, कांडला

फी ट्रेड जोन में प्लाट ं० पर निध्कासन के लिए आदिन

प्रकृप में केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क श्रनुज्ञान्ति सं० का धारक में हम के भाँडागार फे कांडला फ़ी ट्रेंड जोन के श्री/मेसर्ज के कारखाने को, जो सेक्टर सं० की प्लाट सं० में है निम्नवर्णित माल को निष्कासन करने की मंजूरी के लिए श्रावेदन किरता हू/करते हैं।

भाण्डागर रजिस्टर म में प्रविष्टि की सं० ग्रौर तारीख	सल क⊹ दर्णन	पैकेजों का वर्णन श्रौर सं ख् या	पैकेजों का कुस वजन	पैकेजों के चि श्रौर सं०
1	2	3	4	5

माल का परिमाण	प्रयम भां ड ागारण की तारीख (केट् म तंबाकू के मामले मे	t)	शुल्क ——— मूल्य क	 (र र क	परिवह ध की - ता रीख जम	टिप्पण
6	7	8	9	10	11	12

^{1.} प्रेषक/मालिक या उसके प्राधिकृत ग्राभिकर्ता द्वारा शब्दों ग्रीर ग्रंकों में प्रविष्ट किए जाएंगे।

2. प्वॉक्त श्री/मैसर्स ने गन्तव्य स्थान पर् प्रस्प ख-5-क (प्रतिभूया प्रतिभूति) या ख-5-क (साधा ०-प्रतिभू) या (साधा ०-प्रतिभूति) सं० तारीख में..... इ० के लिए बंधपत्र निष्पादित किया है। जो लागू नहीं है उन प्रविष्टियों को काट वें केन्द्रीय उत्पाद-शलक के केन्द्रीय उत्पाद शलक ग्रधिकारी से, प्रवप सी-टी-3 में प्रमाणपन्न संलग्न है। मैं/हम एवदद्वारा घोषित करता हुं/करते हैं कि ऊपर दी गई विशिष्टियां सत्य हैं परेषक/(को)/मानिक/(को) । या उसके/उनकेमाबिकृत स्थान तारीख ग्रमिकर्ता के हस्ताक्षर 1. निष्कासन के भाँडागार पर केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क ग्रधिकारी का प्रमाणप त। सेवा में. स्रक्षा प्रधिकारी, कांडला फ़ी देंड जोन, गान्धीधाम (कच्छ)। मैं एतद्द्वारा प्रमाणित करता हूं कि परेषण सभी बाबत उपरो≉त दिए गए वर्णन के अनुरुप है धौर मैंने प्रका जीव्यीव संव तारीख में परिवहत अनुजारत के अधीत निष्कासन की अनुजा बीहै। स्थान निरीक्षक केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 2. भौडागार पर कांडला फो ट्रेड जीन के निवारक अधिकरी का प्रमाणपत्र । मैं एतबद्वारा प्रमाणित करता हुं कि कांडला फो ट्रेड जोत के सेक्टर की प्लाट संख्या पर परेषण पहुंच गया है भीर माल सभी बाबत निम्नलिखित बृटियों के सिवाय, उपरोक्त पुष्ठ पर विए गए वर्णन हिसाब के रजिस्टर में प्रविष्टि सं......तारीख.....के श्रधीन पुनः भाडागारण किया गया है। निवारक ग्रधिकारी, स्थान कांडला फी ट्रेड जोन । तारीखा.....

रेंज :	ग्रधिकारी	उपा बन्ध 'ख' बंधपक्ष में निष्कासन का	ग्रभिलेख	
ऋम सं०	ए०ग्रार० 3क सं०	निष्कासन के कारखाने का ना		ाल
410	उक्त सण् भ्रौर ता०	पता घोर एल 4	वर्णन	भेजी हुई। सुब मान्ना
1	2	3	4	5
एंतव्यस् 	थान	ख~बंधपत्र की सं घौर ट सं ० तारील गौर जिस्से	**	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
मोत के '	कारखाने सेक्ट ,पता गो र		स्रक्षा घ्रधिकारी को भेजने की ता०	जारी किए गए
6		7 8	9	10

द्वितीय प्रति की वापसी की ता०	को ग्रभिलेख के लिए	क्या ए० भ्रार० 3 पुनः तृतीय प्रति परेषक के परेषिती को प्राप्त हुई; हां/नहीं।	भंडागरण की तारीख
11	12	13	14
ग्रभिवहन में लाभ (ध	ান) या हानि (घाटा)	यदि परेषिती से बंध-पन्न लिया गया है तो हानि	टिप्पणी
कुल	स्तभ 5 का प्रतिगत	पर की गई कारैवाई	
15	16	17	18

उपबंध ग

कांडला की ट्रेड जोन प्रशासन बधपत्र में प्राप्तियों का श्रभिलेख (काडला क़ी ट्रेड जीन के लिए)

कप सं०	संख्या श्रौर	: तारीख	माल का वर्णन	गुल्क की दर	पैकेजों की
	ए ० झार० 3क	गेट पास			सं०
1	2	3	4	5	6
शुद्ध	। माखा	परेषक का नाम एल-4 सं० ग्रौर		हितीय प्रति वापसी की ता रीख	श्रभिवहन में लाभ (धन) कुल
	7	8	9	10	11
	नि (घाटा) 7 का प्रतिथ	—— तो हा	रेषिती से बंधपक्ष कि नि पर की गई	-	टिप्पण
	12	2	13		14

उपबंध 'घ-1'

प्ररुप ख-5 'क'--(प्रतिभू)

भारत में भांडागार से कांडला फ़ी ट्रेड जोन में कारखाने को निष्कासित उत्पाद-शुत्क योग्य माला के सम्यक् भागमन तथा पुनः भांडागारण के लिए (प्रतिभू के साथ) बंध-पत्न

(जो शब्द ग्रौर ग्रक्षर लागू नहीं हैं उसे काट दें)

(जिसे / जिन्हें इसमें
इसके पश्चात् बाध्यताधारी कहा गया है)(जिसे इसमें इसके पश्चात्
प्रतिभू कहा गया है) भारत के राष्ट्रपति को संयुक्ततः ग्रौर पृथकतः
भारत के राष्ट्रपति को देने के लए ग्राबद्ध हूं/हैं; जिस संदाय के लिए हम संयुक्तत/ग्रौर पृथकतः स्वयं
को भ्रौर भ्रपमे विधिक प्रतिनिधियों को भावद्भ करते हैं ।
उपरोक्त बाबद्ध बाह्यताधारी (बाद्धताथारियों) को उसके/उमके आवेदन सं० तारीखके बंधपन्नित भाँडागार सेकोडला फ़ी ट्रेड जीन की सिक्टर सं०की प्ताट सं०के कारखाने के लिए निष्कासन की भनुजा दी गई है।
and the second of the reference and the second seco

इस बंधपत्न की यह शर्त है कि यदि बाध्यताधारों और उसका/उनका विधिक प्रतिनिधि केन्द्रीय उत्पाद-शुक्त नियम, 1944 और उसके ऐसे सभी संशोधनों के सभी उपबंधों का, जो समय समय पर इस प्रकार स्थानान्तरित माल की बाबत अनुपालन के लिए जारी किए गए हों, अनुपालन करेगा,

भौर यि सभी उक्त माल 197.....के.....के.....के....दित पूर्व कांडला फ़ी ट्रेंड जोत के कारखाने को निष्कासित किया गया हो धारि उसमें भाँडागारित किया गया हो।

बाध्यता शून्य होगी ।

धन्यथा और इस शर्त के किसी भाग के अनुपासन में भंग या चूक होने पर वह पूर्णकृप से प्रवृत्त रहेगा ।

मैं/हम घोषित करता हूं/करते हैं कि यह अंधपत्र, ऐसे कार्य के प्रनुपालन के लिए, जिसमें जन-साधारण हितबद्ध है केन्द्रीय सरकार के श्रादेशों के श्रधीन दिया गया है।

स्थान		
तारीख ़		बाध्यताधारी के/बाध्यताधारियों के
		हस्ताक्षर
साक्षी 🚆 (1)	पता (1)	उपजीविका (1)
(2)	(2)	(2)
स्थान		
तारीख		प्रतिभू के हस्ताक्षर
साक्षी ़(1)	पता (1)	उपजीविका (1)
(2)	(2)	(2)
घा ज 197	, . , कें कें	दिन मेरे बारा स्वीकृत ।
		ॄकेन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के
		• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •
		कांडला फ़ी ट्रेड जोन के

उपाबंध 'घ-2'

प्रस्प ख-5क-(प्रतिभूति)

भारत में भांडागार से कांडला फ़ी ट्रेड जोन में कारखाने को निष्कासित उत्पाद-शुल्क योग्य माल के सम्यक् प्रागमन श्रीर पुनः भांडागार के लिए (प्रतिभृति के साथ) बंध-पत्न ।

(जो शब्द और अक्षर लागू नहीं है उसे काट दें)

.....(जिसे/जिन्हें इसमें इसके पश्चात् बाध्यताधारी कहा गया है (.....जिसे इसमें इसके पश्चात् प्रतिभू कहा गया है) भारत के राष्ट्रपति को......ह० की रकम भारत के राष्ट्रपति को देने के लिए स्राबद्ध

संयुक्ततः श्रोर पृथकतः श्राबद्ध हैं

जिस संदाय के लिए मैं स्वयं को श्रीर भपने विधिक

हम संयुक्तततः भीर पृथकतः

प्रतिनिधियों को प्रावद करता हूं/करते हैं।

उपरोक्त स्रायद्ध बाध्यताधारी (बाध्यताधारियों) को उसके/उनके स्रावेदन सं०...... तारीख.......के बंधपन्नित भाँडागार से कांडला फ़ी ट्रेड जोन की सेक्टर सं०.......की प्लाट सं० के कारखाने के लिए निष्कासन की स्रनुज्ञा दी गई है।

> इसमें ^कदनके पक्षेचात वर्णित कु**ल** श्रंकित मूल्य की प्रतिभूतियां कलक्टर/

प्रशासक, ग्रथित्...के पक्ष में पृष्ठांकित

इस बंध-पत्र की रकम के लिए प्रस्याभित निक्षिप्त करना भपेक्षित है।

यतः बाध्यताधारी (बाध्यताधारियों) ने पूर्ववर्णित के रूप में नकद रकम/प्रतिभृतियां कलक्टर/ प्रशासक के पास निक्षिप्त कर दी है। ÷

इस बंध-पत्न की यह गर्त है कि यदि बाध्यताधारी तथा उसके/उनके विधिक प्रतिनिधि केन्द्रीय उत्पाद गुल्क नियम, 1944 ग्रीर उसके ऐसे सभी संशोधनों के सभी उपबंधों का जो समय समय पर इस प्रकार स्थानांतरित माल की बाबत ग्रनुपालन के लिए जाी किए गए हों, ग्रनुपालन करेगा;

	द उक्त मास 1971 की सम्यक् रूप ।		
यह बाध्य	ता शून्य होगा ।		
श्रन्यथाः रहेगा ।	ग्रौर इस शर्त के किसी भार के श्रन्	पालन में भंग या चूक होने पर	वह पूर्ण रूप ,से प्रवृत
वह प्रत्याभूति ।	रत के राष्ट्रपति, ग्रंपने विकल्प पर ग नेक्षेप की रक्तम से हो या उक्त ⊓दोनों द्वारा सक्षम होंगे।	- 1	
	त्रोषित कच्छा हूं/करते हैं कि यह बद्ध है, केन्द्रीय सरकार के श्रादे		
-स्थान			
द्वारी ख		बाध्यताधारी (बाध्यताध	ारियों) के हस्ताक्षर
साक्षी (1) पता (1) [उपजीविका	(1)
(2) (2)	(2)
श्राज	197के	के	को मेरे द्वारा स्वीकृत

कांडला फ़ी ट्रेंड जौन के

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के.....

उपाबंध 'घ-3'

प्ररुप ख-5 क (सा०-प्रतिभूति)

भारत में बंध-पत्नित भांडागार से कांडना फ़ी ट्रेड जोन में किसी कारखाने को निष्कासित उत्पाद-शाल्क योग्य माल के सम्यक तथा पुनः भांडागारण के लिए साधारण बंध-पत्न (प्रतिभृति के साथ)

(श्रक्षर ग्रौर शब्द जो लागू नहीं हैं, काट दें) (जिसे/जिन्हें इसमें इसके पश्चात बाध

.....के मैं/हम(जिसे/जिन्हें इसमें इसके पश्चात् बाध्यताधारी कहा गया है) भारत के राष्ट्रपति कोर० की राणि भारत के राष्ट्रपति को देनेर्के के लिए आबद्ध हूं

संयुक्ततः भीर पृथकतः भावदः हैं।

जिस संदाय के लिएमैं......स्वयं को श्रौर ग्रपने विधिक हम संयुक्ततः श्रौर पृथकतः

प्रतिनिधियों को आबद्ध करता हूं/करते हैं।

उपर्युक्त आबद्ध बाध्यताधारी समय समय पर इस शर्ल पर कि केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944, के उपर्राध के बंध-पत्तित भंडागार से के कांडला फी ट्रेड जोन में कारखाने तक या उलटे कम से अनुपालन करते हुए निष्कासन के लिए अनुज्ञात किए गए हैं।

इस बंध-पन्न की रकम के लिए प्रत्याभूति के रूप में निक्षिप्त करना भपेक्षित है।

भीर यतः बाध्यताधारी (बाध्याधारियों) ने पूर्ववर्णित के रूप में नकद रकम/प्रतिभूतियाः कसकटर/प्रशासक के पास निक्षिप्त कर दी है,

बंध-पल की यह शर्त है कि यदि वह बाध्यताधारी या उसके/उनके प्रतिनिधि उक्त नियमों ग्रीर उसके सभी संशोधनों के उपबंधों का, जो समय समयपर इस प्रकार स्वानान्तरित माल के बारे में ग्रनुपालन के लिए समय समय पर जारी किए जाएं, ग्रनुपालन करेगा/करेंगे;

ग्रीर यदि उक्त माल, गंतव्य स्थान के बंधपत्रित मिडागार (भाडागारों) पर, जिसको ऐ से समय के भीतर जैसा उचित मिधकारी निदेश दे, निश्कासित करने के लिए मनुझात किया गया है; वह बाध्यता गृत्य होगी। श्रन्यथा श्रौर इस शर्न के किसी भाग के श्रनुपालन में भंग या चूक होने पर वह पूर्ण रूप से प्रवृत्त रहेगी ।

श्रौर भारत के राष्ट्रपति भ्रपने विकल्प पर सब हाति तथा नुकसान की पूर्ति करने के लिए, चाहे वह प्रस्याभूति निक्षेप की रकम में से हो, या उक्त लिखित बंध-पन्न के श्रधीन श्रपने श्रधिकार का प्रवर्तन करने से या दोनों द्वारा, सक्षम होंगे।

यह बंध-पत्न ऐसे कार्य के श्रनुपालन के नियम, जिसमें जनसाधारण हितबद्ध है, के द्वीय सरकार के आदेशों के श्रधीन दिया गया है ।

स्थान			बाघ्यताधारी/बाध्याताधारियों के	
तारीख			हस्ताक्षर	
साक्षी	(1)	पता (1)	उपजीविका (1)	
	(2)	(2)	(2)	
ध्राज द्वारा स्वीकृत		केके.	को मेरे	
			केन्द्रीय उस्पाद-शृल्क के	
			आंडला फी टेक ओल के	

उपाबंध-'घ-4'

प्ररूप ख- 5 क (सा० - प्रतिभू)

भारत में बंध-पत्नित भाँडागार से कांडला फ़ी ट्रेड जोन में कारखाने को निष्कासित उत्पाद-शुल्क योग्य माल के सम्यक् ग्रागमन तथा पुनः भाँडागारण के लिए (प्रतिभू/प्रतिभूग्रों सहित) साधारण बंध-पत्न ।

प्रक्षर ग्रीर शब्द, जो लाग नहीं है उसे काट दे)
.....के........में/हम......(जिसे/जिन्हें द्दसमें इसके पश्चात् बाध्यता-धारी कहा गया है).....ठ०की राणि के लिए भारत के राष्ट्रपति को ग्राबद्ध हूं/हैं ग्रीर...... के मैं/हम......जिसे /जिन्हें इसमें इसके पश्चात् "प्रथम प्रतिभू" कहा गया गया है)
.....के.....(जिसे/जिन्हें इसमें इसके पश्चात् "द्वितीय प्रतिभू" कहा गया है).....के
(जिसे/जिन्हें इसमें इसके पश्चात् "तृतीय प्रतिभू" कहा गया है).....के.....(जिसे/जिन्हें इसमें इसके पश्चात "चतुर्ष" प्रतिभू" कहा गया है).....के.....(जिसे/जिन्हें इसमें

हमारे में से प्रत्येक पृथकतः भारत के राष्ट्रपति को क० की राशि के लिए श्रौर प्रत्येक भारत के राष्ट्रपति को संदाय करने के लिए क्रमशः श्राबद्ध है ।

जिस संदाय के लिए में/हम बाध्यताधारी स्वयं को भीर भपने विधिक प्रतिनिधियों को भावद्ध करता हूं/करते हैं श्रीर मैं/हम उपरिनामित प्रथम प्रतिभू, द्वितीय प्रतिभू, तृतीय प्रतिभू, श्रीर चतुर्थ प्रतिभू और श्रपने विधिक प्रतिनिधियों को पृथकतः भावद्ध करता हूं/करते हैं।

उपर्युक्त स्राबद्ध बाध्यताघारी केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के उपबंधों के भ्रनुपालन को शर्त पर के बंध-पित्त भाँडागार/भांडागारों से कांडला फ़ी ट्रेड जोन में स्थित कारखाने को भ्रौर उल्टे प्रकार से समय समय पर निष्कासन को भ्रनुज्ञात किए गए हैं।

इस बंध-पत्न की यह शर्त है कि यदि बाध्यताधार श्रीर उनके/उनके विधिक . . प्रतिनिधि उक्त नियमों तथा उनके सभी ऐसे संशोधनों का जो समय समय पर जारी किए गए हों, श्रनुपालन करेंगे।

श्रीर यदि उक्त माला, गंतब्य स्थान के बंधपन्नित भाँषा 'भाँडागारों) पर, जिसको ऐसे समय के भीतर जसा उचित ग्रिशकारी निदेश दे, निष्कासित करने के लिल्लानुज्ञात किया गया है, किसी भाँडा-गार के लिए सम्यक् ुरूप से निष्कासित किया गया है;

यह बाध्यता शून्य होगी।

श्रन्यथा श्रौर इस गर्त के किसी भाग के श्रनुपालन में भंग या च्क होने पर वह पूर्ण रूप से प्रवृत्त रहेगा ।

मैं/हम घोषित करता हूं/करते हैं कि यह बंध-पत्न, ऐसे कार्य के श्रनुपालन के लिए जिसमें जन-				
साधारण हित	ाबद्ध है , केन्द्रीय सरकार ^ह	के स्रादेशों के स्रधीन	दिया गया है।	
स्थान			बाध्यताधार	ो/बाध्यासाधारियों के
तारीख				हस्ताक्षर
साक्षी	(1)	गता (1)	उपजीविका	(1)
	(2)	(2)		(2)
			प्रतिभृ	/प्रतिपृथ्नों के हस्ताक्षर
साी	(1)	पता (1)	उपजीविका	(1)
	(2)	(2)		(2)
भ्राः	ज 197	, के	के दिन को मेरे	द्वारा स्वीकृत ।
			केन्द्रीय उत्पादक	-शृत्क के

कांडला फ़ी ट्रेड जोन के

	,		
1	ं क	बध	त्रव
	- 35	ાલાદા	(3.4)

कांडला	फी	टें ड	जीन
1.1.0		* -	w 1 · 1

तारीख
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·

प्ररूप जी० टी० -3

बंध-पत्र के स्रधीन भांडागारित माल के निष्कासन के लिए प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि:

- (1) श्री /पैसर्स फी त्रेड जोत में वास्तविक प्रकाट धारक है/है;
- (3) उसके/उनके प्राधिकृत प्रभिक्तां, प्रयात्.....के नमूता-हस्ताक्षर इसके नीचे सम्यक् स्टप से अनुप्रमाणित करके दिए गए हैं।

सुरक्षा प्रधिकारी

कांडला फ़ी ट्रेड जोन ।

मालिक या उसके
प्राधिकृत मिकर्ता के
नम्ना-हस्ताक्षर
(हस्ताक्षर)
धनुप्रमाणित
स्रक्षा मिकारी

[सं० 199/71-के०उ०गु०/का०सं०71/26/71-के०उ० ग०-2]

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 7th December 1971

G.S.R. 1866.—The following draft of certain rules further to amend the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 30 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956), is hereby published as required by sub-section (3) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be take into consideration on or after the 10th January, 1972.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified will be considered by the Central Government.

Draft Rules

- 1. These Rules may be called the Securities Contracts (Regulation) Amendment Rules, 1971.
- 2. In rule 19 of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, for clause (b) of sub-rule (2), the following clause shall be substituted, namely:—
- "(b) At least sixty per cent of each class or kind of securities issued by the company was offered to the public for subscription through advertisement in newspapers for a period not less than three days and that applications received in pursuance of such offer were allotted fairly and unconditionally:

Provided that a recognised stock exchange may relex this requirement, with the previous approval of the Central Government and subject to such instructions as that Government may issue in this behalf from time to time, on satisfactory evidence being produced by the company concerned that the securities sought to be listed are not unduly concentrated in a few hands.

Explanation.—Where any part of the securities sought to be listed have been or are agreed to be taken up by the Central Government, a State Government, developmental or investment agency of a State Government, Industrial Development Bank of India, Industrial Finance Corporation of India, Industrial Credit and Investment Corporation of India Limited, Life Insurance Corporation of India or Unit Trust of India, its subscription to the securities upto fifteen per cent of the issued capital of such securities, whether jointly or severally, shall be construed as a part of the sixty per cent of the securities to be offered to the public".

[No. 1/20/SE/70.]

N. C. MAITRA.

Jt. Director (S.E.).

(प्राधिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 7 विसम्बर, 1971

सार्कार्शन 1866 — प्रतिभति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 में भौर भागे संशोधन करने के लिए, जो केन्द्रीय सरकार प्रतिभृति संविदा (विनियमन) श्रिष्ठिनयम, 1956 (1956 के 42वें भिविनयम) की वारा 30 की उप-धारा (1) भौर (2) द्वारा प्रदत्त एक्तियों का प्रयोग करते हुए करना चाहती है, कुछ नियमों का निम्नलिखित मसौदा उन सभी व्यक्तियों के सूचनार्थ, जिन पर इनका प्रभाव पड़ने की संभावना है, एतद्दारा प्रकाशित किया जाता है, जैसा कि उक्त धार। की उप-धारा (3) के भ्रन्तर्थत धावश्यक है, और एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त मसौदें पर 10 जनवरी, 1972 को भ्रथना उसके बाद विचार शुरु किया जायगा ।

उक्त मसौदे के सम्बन्ध में इस प्रकार निर्धारित तारीख से पहले जो श्रापत्तियां श्रथवा सुझाव प्राप्त होंगे उन पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जायगा ।

नियमों का मसौदा

- 1. इन नियमों को प्रतिभूति संविदा (विनियमन) संशोधन नियम, 1971 कहा जायगा।
- 2. तिभृति संविदा (वितियमन) नियम, 1957 के नियम 19 के उप-नियम (2) के खण्ड (ख) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जायगा, प्रयति:---
- "(ख) कम्पनी द्वारा जारी की गयीं प्रत्येक श्रेणी प्रथवा किस्म की प्रतिभूतियों का कम से कम साट प्रतिशत भाग, कम से कम तीन दिन की श्रवधि के लिए समाचारपत्नों में विज्ञापन के जरिये जनता की श्रिभिदान के लिए प्रस्तुत किया गया था श्रौर इस पेशकण के भनुसरण में प्राप्त श्रावेदन पत्नों का श्रावंटन निष्पक्ष रूप से श्रौर बिना शर्त के किया गया था।

लेकिन कोई मान्यता-प्राप्त स्टाक एक्सचेंज केन्द्रीय सरकार के पूर्व-श्रनुमोदन से श्रीर सरकार द्वारा समय समय पर इस सम्बन्ध में जारी की गयी हिदायतों के श्रन्दर रहते हुए, सम्बद्ध कम्पनी द्वारा यह संतोषजनक प्रमाण प्रस्तुत किये जाने पर, कि जिन प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध किये जाने की मांग की गयी है वे श्रनुचित रूप से कुछ ही व्यक्तियों के श्रधिकार में नहीं हैं, इस शर्त में ढील दे सका है।

स्पष्टीकरण:

उस मामले में, जिसमें उन प्रतिभृतियों का कोई भाग, जिन्हें सूचीबद्ध किये जाने की मांग की गयी हो, केन्द्रीय मरकार, किसी राज्य सरकार, किसी राज्य सरकार के विकास प्रभिकरण प्रथवा निवेश ग्रिभिकरण, भारतीय प्रौद्योगिक विकास बैंक, भारतीय प्रद्योगिक वित्त निगम, भारतीय प्रौद्योगिक ऋण ग्रौर निवेश निगम लिमिटेड, भारतीय जीवन बीमा निगम प्रथवा भारतीय प्रनिट द्रस्ट द्वारा ले लिया गया हो ग्रथवा जिसे लेने के लिए इनमें कोई सहमत हो, तो इन प्रतिभृतियों की जारी की गयी पूंजी के 15 प्रतिणत तक इन प्रतिभृतियों के लिए, संयुक्त ग्रथवा ग्रलग फल में किये गये ग्रभिवान को, जनता को प्रस्तुत की जाने वाली 6 0 प्रतिशत प्रतिभृतियों का भाग समझा जायगा।

[संख्या 1/20/एस ई/70]

एन० सी० मैंत्र, संयुक्त निदेशक (एम०ई०)